04 - रोजगार के बाजार में हिंदी का बढ़ता जलवा

05 - हिंदी छोटे केंद्र से उठाकर वैश्विक धरातल पर ले जाती है

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 14 सितम्बर , 2024

06 - बैतूल में भाजपा तो आठनेर में कांग्रेस प्रत्याशी जीता

07- आए दिन लगता है पलकमती नदी पुल राज्य मार्ग 22पर जाम...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 319, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

कश्मीर घाटी की 28 सीटों पर भाजपा ने क्यों नहीं उतारे उम्मीदवार?

नीरज कुमार दुबे

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं, इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी? भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा का यह फैसला हैरानी भरा है, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आये अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लायेगी?

बता दें कि कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी, जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। श्रीनगर में एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमने वर्षों से विपरीत माहौल में पार्टी को खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब हमें पुरस्कृत करने का समय आया, तो पार्टी ने हम पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने या तो सीटें छोड़ दीं या ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जो पार्टी में नए हैं।

कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता अमित शाह के वादे पर भी सवाल उठा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान, भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद व्यक्त किया था। लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

इसलिए सवाल उठ रहा है नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिये गये आश्वासन के बावजूद भाजपा ने अपना मन क्यों बदला? कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गयीं थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं, इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। यह स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गयी सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गये हैं जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूबी समझ रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नये दलों की फौज उतार दी है ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जायें। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आज़ाद भी हमारे ही हैं, निर्दलीय उम्मीदवार भी हमारे ही हैं।

भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं। घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कांफ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है। याद रहे कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कांफ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे।

बहरहाल, घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में करीब 30 हजार पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। देखना है कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठता है?

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

एक डोर में सबको जो है बांधती
वह हिंदी है
हर भाषा को जो सगी बहन मानती
वह हिंदी है।

भरी-पूरी हों सभी बोलियां
यही कामना हिंदी है
गहरी हो पहचान आपसी
यही साधना हिंदी है

सौत विदेशी रहे ना रानी
यही भावना हिंदी है
तत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी
सब रंगों को अपनाती

जैसे आप बोलना चाहें
वही मधुर, वह मन भाती।

- गिरिजा कुमार माथुर

बारिश से एमपी-यूपी में 24 घंटे में 34 की मौत

- हिमाचल में सीजन की पहली बर्फबारी, लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 17 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 34 लोगों की मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार को

सीजन की पहली बर्फबारी हुई। इससे तापमान अचानक गिर गया। किन्नौर, शिमला सहित कई इलाकों में आज सुबह से बारिश हो रही है। आईएमडी ने उत्तराखंड में शुक्रवार को रेड अलर्ट जारी किया है। चमोली में लगातार बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुई। इससे बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया है। राजस्थान में पिछले दो दिन से तेज बारिश के कारण कई जिलों में पानी भर गया है। भरतपुर में स्कूलों में 4 दिन की छुट्टी कर दी गई है। धौलपुर में भी अगले आदेश तक स्कूल बंद हैं।

'स्विच ऑन' तो झमाझम बारिश, ऑफ तो बूंदें वापस!

देश जल्द देखेगा ऐसा 'चमत्कार', मौसम जीपीटी की भी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस समारोह या कोई और आयोजन के वक्त बारिश नहीं हो, यह अब अपने हाथ में होगा। जब बारिश की जरूरत हो तो बूंदें बरसने लगें, इस पर भी अपना नियंत्रण होगा। इसी तरह, बाढ़ के दौरान शहरों में बारिश या ओलावृष्टि को रोका जा सकता है।

देश के मौसम वैज्ञानिकों को

- **बारिश में हो रहे बदलावों से निपटने के लिए 'मिशन मौसम' शुरू**

उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे, बल्कि कुछ इलाकों में ओलों और बिजली के साथ-साथ बारिश को भी रोक सकेंगे। इस मिशन का उद्देश्य भारत को क्लाइमेट स्मार्ट और वेदर रेडी बनाना है ताकि बादल फटने सहित किसी भी मौसम की घटना को अनदेखा न किया जा सके। इसके साथ ही चैटजीपीटी के आधार पर मौसमजीपीटी भी बनाया जाएगा जो यूजर्स को मौसम की जानकारी अलग-अलग फॉर्मेट में झटपट उपलब्ध कराएगी। दरअसल, देश अब क्लाइमेट चेंज की वजह से बारिश के पैटर्न में होने वाले बदलावों से निपटने के लिए तैयार हो रहा है। मिशन मौसम से 2026 तक तैयारियां पूरी हो जाएंगी। इसके बाद इसका दूसरा चरण शुरू होगा। नरेंद्र मोदी सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने इस मिशन का जिम्मा लिया है। पहले चरण में क्लाउड चैंबर बनाकर बादलों पर कई तरह के शोध होंगे। इसमें बादलों से होने वाली बारिश को कम करवाने की तैयारी के साथ ज्यादा बारिश वाले बादलों को ऐसे एरिया की तरफ भेजने की कोशिश होगी जहां सूखे या कम बारिश की स्थिति है।

इतना ही नहीं पूर्वानुमान को बेहतर करने के लिए देश में 2026 तक रेडार की संख्या 100 तक कर दी जाएगी। मंत्रालय के सेक्रेटरी डॉ. एम रविचंद्रन ने बताया कि आईआईटीएम पुणे में इसके तहत एक क्लाउड चैंबर बनाया जाएगा। यहां बादलों पर रिसर्च होगी। इसमें बादलों पर कई तरह के प्रयोग किए जाएंगे। अधिकारी के अनुसार, बादल का बेस आमतौर पर धरती की सतह से एक से डेढ़ किलोमीटर दूर तक होगा।

बादलों को शिफ्ट करने पर होगा शोध

अधिकारी ने बताया कि देश में अभी मॉनसूनी सीजन और पूरे साल में सामान्य बारिश ही हो रही है, लेकिन उसके पैटर्न में बदलाव आया है। इसी पैटर्न को समझने और इससे निपटने की तैयारी है। इसके दूसरे चरण में बादलों से बिजली की समस्या से निपटने की तैयारी भी होगी।

इसमें बादलों से जमीन में गिरने वाली बिजली को बादल से बादल पर शिफ्ट करने पर शोध होंगे। अभी बिजली गिरने की वजह से देश में काफी नुकसान हो रहा है। इससे धुंध की समस्या से निपटने पर भी दूसरे चरण में रिसर्च होगी।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन ने बताया कि यह एक जटिल प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, क्लाउड सीडिंग और क्लाउड मॉडिफिकेशन एक जटिल प्रक्रिया है। हमने बारिश बढ़ाने के लिए क्लाउड सीडिंग के साथ बहुत सारे प्रयोग किए हैं, लेकिन सीमित सफलता मिली है। लेकिन क्लाउड सप्रेशन पर बहुत कुछ नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत में मौसम संशोधन की गुंजाइश है, लेकिन इसका विज्ञान अच्छी तरह से समझा नहीं गया है और तकनीक जटिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ नर्मदा नदी के समग्र विकास पर ली मंत्रीमंडल समिति की बैठक

नर्मदा तट पर बसे धार्मिक स्थलों के आसपास मांस-मदिरा का उपयोग न हो : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की जीवनदायनी मां नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक का प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अमरकंटक विकास प्राधिकरण के माध्यम से किया जाए। भविष्य में

- **अमरकंटक में उद्गम स्थल से दूर भूमि चिन्हित कर सेटेलाइट सिटी विकसित की जाए**

होने वाली बसाहटों के लिए नर्मदा नदी के उद्गम स्थल से दूर भूमि चिन्हित कर सेटेलाइट सिटी विकसित की जाए। यह सुनिश्चित हो कि मां नर्मदा के प्राकट्य स्थल अमरकंटक से लेकर प्रदेश की सीमा तक किसी भी बसाहट का सीवेज नर्मदा नदी में नहीं मिले, इसके लिए समय-सीमा निर्धारित कर

कार्य किया जाए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग हो। पर्यावरण संरक्षण के लिए नर्मदा जी के आसपास चलने वाली गतिविधियों पर सेटेलाइट इमेजरी व ड्रोन टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी नजर रखी जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए की नर्मदा नदी के तट पर बसे धार्मिक नगरों में और धार्मिक स्थलों व उनके आसपास मांस-मदिरा का उपयोग नहीं हो। उन्होंने नदी में मशीनों से खनन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए।

स्वयंसेवी संगठनों, आध्यात्मिक मंचों और जनसामान्य को भी सहभागी बनाया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुण्य सलिता माँ नर्मदा प्रदेशवासियों के लिए श्रद्धा, विश्वास और आस्था का केन्द्र है। यह केवल नदी नहीं, हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। उपभोक्ता आधारित जीवनशैली में प्रकृति और पर्यावरण को जो नुकसान पहुंचाया है, उसके दुष्प्रभावों से नदियों और अन्य जल स्त्रोतों को बचाना आवश्यक है। राज्य सरकार ने मां नर्मदा के समग्र विकास का संकल्प लिया है और इस दिशा में निरंतर गतिविधियां जारी हैं। विभिन्न शासकीय विभागों के साथ स्वयंसेवी संगठनों, आध्यात्मिक मंचों और जनसामान्य की सक्रिय सहभागिता से नर्मदा संरक्षण, संवर्धन की योजना का आधुनिकतम तकनीक और संसाधनों का उपयोग करते हुए क्रियान्वयन किया जाएगा। नर्मदा संरक्षण के लिए सभी से सुझाव और नवाचारी उपाय आमंत्रित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर के उन्नयन के लिए कार्ययोजना बनाने और इस संबंध में केन्द्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से चर्चा के निर्देश भी दिए।

पीएम मोदी के बर्थडे पर अजमेर शरीफ लगाएगा लंगर

अजमेर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन पर अजमेर शरीफ दरगाह लंगर लगाने जा रहा है। 17 सितंबर को दरगाह प्रबंधन की ओर से 4000 किलो शाकाहारी खाना परोसा जाएगा।

अजमेर शरीफ गद्दी नशीं सैयद अफशान चिश्ती के मुताबिक लंगर में भोजन चावल, शुद्ध घी, ड्राई फ्रूट आदि से बना होगा। यह खाना आस्थावानों और गरीबों में बांटा जाएगा। दरगाह अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्यक्रम सेवा पखवाड़े का हिस्सा है।

लंगर मशहूर बड़े शाही डेग में तैयार किया जाएगा, जो हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती से जुड़ी 550 साल पुरानी परंपरा का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

- **खाने के साथ खास दुआ भी होगी, शुरू हो गई तैयारी**

सलामती के लिए विशेष दुआ का भी आयोजन किया जाएगा। एजेंसी से बात करते हुए चिश्ती ने कहा, पीएम मोदी के जन्मदिन पर देश में धार्मिक स्थलों पर सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हम 4000 किलोग्राम शाकाहारी खाना तैयार करेंगे, जिसमें चावल, शुद्ध घी, और ड्राई फ्रूट होगा और इसे बांटा जाएगा। गरीब लोगों को भी खाना खिलाया जाएगा। भारतीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन और चिश्ती फाउंडेशन लंगर का आयोजन करेगा।

सभी मेहमानों और श्रद्धालुओं को इसमें शामिल होने की इजाजत होगी। रस्म की शुरुआत रात 10.30 बजे होगी। कुरान की आयतें पढ़ी जाएंगी और कव्वाली गायन का भी आयोजन होगा।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 14 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

ज्ञानवापी केस में हिंदू पक्ष को लगा तगड़ा झटका

● तहखाने की छत पर होती रहेगी नमाज,कोर्ट ने मरम्मत पर लगाई रोक

वाराणसी (एजेंसी)। काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर चल रहे कानूनी केस में हिंदू पक्ष को तगड़ा झटका लगा है। वाराणसी कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए व्यास तहखाने की छत पर नमाज पढ़ने वालों की रोक लगाने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। मतलब कि नमाज के लिए मुस्लिम इकट्ठा होते रहेंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने तहखाने में मरम्मत कराने की इजाजत देने से भी इनकार कर दिया है। सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल की कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले में तहखाने में चल रही पूजा को यथावत रखते हुए तहखाने के कस्टोडियन डीएम वाराणसी को किसी भी प्रकार की मरम्मत का आदेश देने से इनकार कर दिया।

कोलकाता में जारी है संग्राम, बुरी फंसीं ममता

मीटिंग हो गई फेल,तीसरे दिन भी डटे रहे डॉक्टर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल मामले को लेकर जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए जूनियर डॉक्टर और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार के बीच एक दिन पहले प्रस्तावित बैठक विफल हो चुकी है। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने राज्य के स्वास्थ्य भवन के बाहर शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी धरना जारी रखा और काम बंद रखा। महिला चिकित्सक और उनके परिजनों को न्याय दिलाने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन में शामिल 26 मेडिकल कॉलेजों से लगभग 30 चिकित्सक बैठक के लिए नबान्न (राज्य सचिवालय) पहुंचे थे, लेकिन राज्य सरकार द्वारा वार्ता के सीधे प्रसारण संबंधी उनकी मांग को नहीं मानने के कारण चिकित्सकों ने बैठक से इनकार कर दिया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जूनियर चिकित्सकों के साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता, जैसा कि उनकी मांग है क्योंकि यह मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इसे रिकॉर्ड करने और जरूरत पड़ने पर न्यायालय की

अनुमति से रिकॉर्डिंग उन्हें (जूनियर डॉक्टरों को) सौंपने की व्यवस्था की है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि 'स्वास्थ्य भवन' के बाहर उनका धरना तब तक जारी रहेगा जब तक पुलिस आयुक्त, स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य सेवा निदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को निलंबित करने सहित प्रमुख मांगें पूरी नहीं हो जातीं। जूनियर चिकित्सकों के संगठन के एक सदस्य ने कहा, हम अपना काम फिर से शुरू करना चाहते हैं, लेकिन तब तक शुरू नहीं करेंगे जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

सरकार ने बार-बार चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया

राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ने बार-बार चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया है। पश्चिम बंगाल सरकार और चिकित्सकों के बीच गुरुवार को वार्ता नहीं हो सकी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे अब भी बैठक को तैयार हैं लेकिन वार्ता पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए, जो तभी संभव है जब बैठक का सीधा प्रसारण किया जाए। चिकित्सकों ने कहा कि कई लोगों ने प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता दिखाई है। उन्होंने दुर्गा पूजा उत्सव के अपने बजट में कटौती कर हमें भोजन और अन्य सामग्री पहुंचाई या फिर अपना जन्मदिन प्रदर्शनकारियों के साथ मनाकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

मंडी में मस्जिद की 2 अवैध मंजिल तोड़ने के आदेश

नगर निगम कमिश्नर कोर्ट ने 30 दिन का समय दिया,हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल के मंडी शहर में मस्जिद की दो अवैध मंजिलें 30 दिन में गिरानी होंगी। नगर निगम आयुक्त एचएस राणा की कोर्ट ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। तीस साल पुरानी 3 मंजिला यह मस्जिद शहर के जेल रोड पर है। आरोप है कि इसकी 2 मंजिल अवैध रूप से बनाई गई थीं। अब इन्हें तोड़ा जाएगा। वहीं नगर निगम आयुक्त कोर्ट में जिस वक्त मस्जिद में अवैध निर्माण मामले में सुनवाई चल रही थी तब हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने मस्जिद के आसपास बैरिकेडिंग कर दी थी। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। उधर, शिमला की पांच मंजिला संजौली मस्जिद को लेकर भी विवाद बना हुआ है। आरोप है कि मस्जिद की 3 मंजिल अवैध हैं। इसके खिलाफ यहां भी स्थानीय लोग पिछले 15 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा मंडी शहर के सात वार्डों में लागू धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के बावजूद प्रदर्शनकारी 11 बजे से सेरी मंच के पास जुटने शुरू हुए और नारेबाजी करने लगे। पुलिस प्रशासन ने विवादित मस्जिद स्थल पर कड़ा पहरा लगाया है और बेरिकेडिंग की है।

बाहरी राज्यों से आने वाले विशेष समुदाय के लोगों पर नजर

मंडी के डीसी अपूर्व देवगन ने कहा कि जेल रोड पर बनी मस्जिद मामले में एनएम आयुक्त कोर्ट का फैसला आया है। मुस्लिम पक्ष 30 दिनों के अंदर अपील कर सकेगा। बाहरी राज्यों से आने वाले विशेष समुदाय के लोगों पर भी निगरानी रखी जा रही है। जो अवैध निर्माण हुआ है कुछ इन्होंने खुद हटा दिया है। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मंडी में अवैध निर्माण की बात सामने आई है। मस्जिद विवाद को लेकर कमेटी बनेगी। यह शांति प्रिय राज्य है, जहां सभी धर्मों का सम्मान होता है। किसी भी धर्म और जाति को ठेस नहीं पहुंचाई जाएगी। हमारी सरकार कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। अवैध निर्माण स्वीकार्य नहीं है, लेकिन अवैध निर्माण को लेकर भी कानून के दायरे में कार्रवाई होगी।

प्रदर्शनकारी मस्जिद स्थल की ओर कूच करने के लिए बैरिकेड पर चढ़ गए तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। मंडी के डीसी व एसपी भी मौके पर मौजद हैं। प्रदर्शनकारियों को काबू करने की कोशिश की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी वहीं जमे हुए हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। मंडी शहर में जेल रोड के पास स्थित यह मस्जिद लगभग तीन दशक पुरानी है। मामले के अनुसार मस्जिद के आगे लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अवैध तौर पर मस्जिद की सुरक्षा दीवार बना दी गई है। इस पर स्थानीय लोग भड़के हुए हैं। शिमला के संजौली में हुए प्रदर्शन को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गुरुवार से मंडी में मस्जिद की अवैध सुरक्षा दीवार को खुद ही गिराना शुरू कर दिया। इसे लेकर नगर निगम मंडी की कोर्ट में मामला विचाराधीन है। नगर निगम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराने के आदेश दिए हैं।

अहिंसा की कविता (भूदान आंदोलन की प्रतिध्वनियां) का लोकार्पण

आचार्य विनोबा भावे द्वारा शुरू किया गया 'भूदान आंदोलन' पर केंद्रित (कविताओं व गीतों का संकलन) संपादित किताब 'अहिंसा की कविता' भूदान आंदोलन की प्रतिध्वनियां का लोकार्पण 13 सितम्बर, 2024 को कर्नाटक के संत अलोशियस मानित विश्वविद्यालय, मंगलुरु के भाषा संकाय और सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस सप्ताह समारोह के मौक़े पर एल.सी.आर.आई. हॉल में किया गया। इस किताब का संपादन शोधार्थी विवेक कुमार साव और सहायक आचार्य लीलू कुमारी ने किया है। इस किताब में भूदान आंदोलन के दौर के चर्चित और क्षेत्रीय रचनाकारों की कविताओं को विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं से ढूंढ कर संकलित किया गया है। इसके अलावा इस किताब में विनोबा जी के साथ भूदान आंदोलन में निरंतर जुड़े रहने वाले गौतम बजाज जी से साक्षात्कार भी सम्मलित है, जो आंदोलन से जुड़े रहे रचनाकारों की कविताओं तथा आंदोलन में उनकी भूमिकाओं पर केंद्रित है। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य प्रबंधक - राजभाषा (एमआरपीएल) मंगलुरु डॉ. बी आर पाल, विश्वविद्यालय के उप-कुलपति रे डॉ. प्रवीण मार्टिस एस. जे, एडमिन ब्लॉक निदेशक डॉ. चार्ल्स फर्टाडो, जेवियर ब्लॉक निदेशक डॉ. ईश्वर भट्ट, अरूपे ब्लॉक निदेशक डॉ. डेनिस फर्नांडीस, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुकुंद प्रभु, डॉ. महबूब अली अ. नदाफ, डॉ. संध्या यू. सिर्सिकर, डॉ. गोविंद थापा क्षेत्री, सुश्री रोयसी रेखा ब्राग्स, श्रीमती शैला डिसोजा आदि गणमान्य मौजूद रहें। किताब के संपादक विवेक कुमार साव ने भूदान आंदोलन का हिंदी पर पड़े प्रभाव को रेखांकित करते हुए बताया कि विनोबा जी ने इतने वर्षों तक जो पद यात्रा की, उसका उद्देश्य सिर्फ भू का दान तो बिल्कुल नहीं था, वह मनुष्य को एक दूसरे से जोड़ रहे थे।

शोषणविहीन, अहिंसक समाज की स्थापना, समतामूलक समाज का निर्माण तथा भूमिहीनों, गरीबों को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश कर रहे थे। वह समाज में फैली खाई को पाट रहे थे, साथ ही गांधीजी की शिक्षा चारों ओर फैला रहे थे। कार्यक्रम की संयोजिका लीलू कुमारी ने भूदान सम्बन्धित विभिन्न पृष्ठभूमियों पर बात रखते हुए बताया कि भूदान क्रांति की राह सर्वोदय व अहिंसा का मार्ग था, विनोबा जी ने इस बात पर जोर दिया कि जमीन उसकी जो इसपर काम करे। वह जमीदारों का हृदय परिवर्तन करना चाहते थे, जिससे वे अपनी रज़ामंदी से जमीन गरीबों को दें।

समारोह के अंत में आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के संयोजक व हिंदी विभाग के सहायक आचार्य गोविंद थापा क्षेत्री ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि यह आयोजन हिंदी विभाग के छात्रों, शिक्षकों व विश्वविद्यालय के कई गणमान्यों के संबल का परिणाम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, कई विभागों के विभागाध्यक्ष, अध्यापकगण, अतिथिगण, विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों के साथ-साथ कई सारे कर्मचारी भी शामिल हुए।

हिंदू एकजुट रहे तो न कोई गौरी आएगा न मुगल

● गिरिराज बोले-मोदी सीजेआई के घर गए तो राहुल-अखिलेश को हो रही तकलीफ

प्रयागराज (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रयागराज में कहा- पीएम मोदी सीजेआई के घर गणेश पूजन में गए तो टुकड़े-टुकड़े गैंग को अच्छा नहीं लगा। ये टोपी पहनने के लिए हामिद के यहां जाएंगे तो अच्छा लगता है। अगर आतंकवादियों के लिए रात में कोर्ट के दरवाजे खुलता है तो केजरीवाल, अखिलेश यादव और राहुल गांधी को अच्छा लगेगा। मगर जज के यहां कोई गणेश पूजन के लिए जाए तो इन्हें तकलीफ होती है। गिरिराज सिंह ने अखिलेश यादव पर हमला बोला। कहा- उन्हें क्रिमिनल में भी जाति दिखाई पड़ती है। उन्होंने गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया। उन्होंने बस जाति देखी। योगी जी को क्रिमिनल में क्रिमिनल दिखता है। यही अंतर है योगी और अखिलेश में। अगर हिंदी एक रहे तो यहां न कोई गौरी आएगा न ही मुगल।

मैं पीएम मोदी से ज्यादा अंतर से जीता हूं लोकसभा चुनाव

● रिहाई के दूसरे ही दिन राशिद इंजीनियर ने फिर बोला हमला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर से निर्दलीय सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राशिद का कहना है कि उन्होंने पीएम मोदी से ज्यादा अंतर से लोकसभा चुनाव जीता है। इधर, क्षेत्र की दो प्रमुख पार्टियां नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी राशिद की रिहाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी को घेर रही हैं। राशिद हाल ही में तिहाड़ जेल से करीब 5 साल की सजा काटने के बाद बाहर आए हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत पर भी बात की।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल के रिश्तेदारों पर रेड

एनआईए ने चाचा-चाची को बुलाया चंडीगढ़, कनाडा में भारतीय उच्चायोग पर हमले के खिलाफ कार्रवाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में शुक्रवार सुबह 6 बजे नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने रेड की। अमृतसर में खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के रिश्तेदरों के घरों में टीम ने दबिश दी। रईया में फेरूमन रोड पर अमृतपाल सिंह के चाचा प्रगट सिंह के घर पहुंची। टीम ने प्रगट सिंह की पत्नी को हिरासत में लिया है। अधिकारी उन्हें अपने साथ ब्यास थाना लेकर पहुंचे, जहां तकरीबन 3 घंटे पूछताछ की गई। अमृतपाल सिंह के चाचा प्रगट सिंह फर्नीचर का काम करते हैं। तकरीबन 1 बजे ब्यास थाने से छूटने के बाद अमृतपाल

सिंह चाची ने जानकारी दी कि उन्हें व प्रगट सिंह को 26 सितंबर को चंडीगढ़ पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्होंने बताया कि बीते साल प्रगट सिंह पर कोई मामला दर्ज हुआ था, उसे लेकर ही ये रेड की गई है। दूसरी रेड अमृतसर में सठियाला के पास बुताला में अमृतपाल के जीजा के घर हुई। इसके साथ टीम ने अमृतपाल के जीजा के बहनोई के घर भी छापेमारी की। तीनों ही रेड अमृतपाल से जुड़ी हुई हैं। एनआईए ने ये रेड कनाडा में खालिस्तान समर्थकों के भारतीय उच्चायोग पर 23 मार्च 2023 को किए गए हमले को लेकर की। दरअसल, अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोगों के बाहर खालिस्तानियों ने प्रदर्शन किया था।

अमृतपाल की टीम ने लगाए तंग करने के आरोप

रिश्तेदारों के घर रेड के बाद सांसद अमृतपाल सिंह की टीम भी एक्टिव हो गई। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार पर आरोप लगाए हैं। अमृतपाल सिंह की टीम के सदस्य चरणदीप ने कहा कि जब से बाबा बकाला साहिब में रखड़ पूनिया पर अमृतपाल सिंह के समर्थकों की तरफ से स्टेज सजाई गई है। तब से केंद्र व राज्य सरकारें घबरा गई हैं। आज अमृतपाल सिंह के चाचा, जीजा और अन्य रिश्तेदार के घर रेड की गई है और उन्हें नाजायज परेशान किया गया है। लोकसभा चुनाव में अमृतपाल सिंह 1.97 लाख वोटों से जीते हैं।

यूक्रेन पर फिर आमने-सामने आए रूस और अमेरिका

● मिसाइल बैन हटा सकता है अमेरिका,पुतिन ने कहा- हम जवाब देंगे

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन को रूस में दूर तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मिल सकती है। एजेंसी के मुताबिक अमेरिका और ब्रिटेन इस पर विचार कर रहे हैं। अब तक इस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, लेकिन यूक्रेन पर लगी ये पाबंदी अब हट सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि ऐसे हथियारों के इस्तेमाल करने की इजाजत देने

का मतलब यह समझा जाएगा कि नाटो, रूस के खिलाफ जंग में उतर चुका है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वे इसका जवाब जरूर देंगे। पुतिन बोले- अमेरिका ने अनुमति दी तो बहुत कुछ बदल जाएगा पुतिन ने एक सरकारी टीवी चैनल पर कहा कि इससे बहुत कुछ बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि इन हथियारों का इस्तेमाल सैटेलाइट के बिना संभव नहीं है। यूक्रेन के पास ऐसी तकनीक नहीं है। यह केवल यूरोपीय यूनियन के सैटेलाइट या फिर अमेरिकी सैटेलाइट की मदद से ही हो सकता है। पुतिन ने आगे कहा कि सिर्फ नाटो सैन्यकर्मी ही इन मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करने के लिए ट्रेंड हैं। यूक्रेनी सैनिक ऐसा नहीं कर सकते। इसलिए, सवाल इन हथियारों से रूस पर हमला करने की अनुमति देने या न देने का नहीं है।

शालीमार टाउन में अंताक्षरी का आयोजन

इंदौर। शालीमार टाउनशिप में अंताक्षरी और क्विज का आयोजन किया जिसमें 8 प्रतिस्पर्धी टीमों ने भाग लिया। प्रतिभा, गायन कला, मधुर और सुरीले क्लासिक गीतों और रोचक प्रश्नों से कार्यक्रम बेहद सफल रहा। प्रतिस्पर्धियों का उत्साह, ऊर्जा और श्रोताओं के क्विज के त्वरित उत्तर देने से अंताक्षरी स्पर्धा के आयोजन की सार्थकता बढ़ गई।

वसुंधरा अग्निहोत्री, यशमी अग्रवाल और पूजा रमानी की प्रतिभाशाली टीम ने इस स्पर्धा का संचालन सुचारू रोचक और आनंददायक शैली में किया। सोसाइटी मनोज व्यास और भावना शर्मा ने विजेताओं को ट्राफी प्रदान कर पुरस्कृत किया। विजेता टीम "परवाने" का प्रतिनिधित्व प्रभा भागवत, माधुरी काले, अनामिका गोरे, सुवर्णा तनवानी और पूनम तिवारी ने किया। जबकि दूसरे स्थान पर रही "अनजाने" टीम में सपना काबरा, पायल, मीना तापड़िया और निमिषा थीं।

दिल्ली की शराब नीति केस में केजरीवाल को मिली जमानत

● 177 दिन बाद जेल से आए बाहर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार को जमानत मिल गई। केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बाहर आए। अदालत ने जमानत के लिए वही शर्तें लगाई हैं, जो ईडी केस में बेल देते वक्त लगाई गई थीं। केजरीवाल के खिलाफ 2 जांच एजेंसी ने केस दर्ज किया है। ईडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। एएपी ने इस फैसले को सत्य की जीत बताया है। शराब नीति केस में एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने उन्हें 21 मार्च को अरेस्ट किया था। बाद में 26 जून को सीबीआई ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के साथ ही कई शर्तों भी लगाई हैं। इस दौरान अरविंद केजरीवाल सीएम दफ्तर नहीं जा सकेंगे।

आधी रात दो स्थानों से चंदन के पेड़ काटे

इंदौर (एजेंसी)। चंदन चोरों ने बुधवार रात चाचा नेहरु अस्पताल और एमजीएम मेडिकल कॉलेज परिसर में एक डॉक्टर के सरकारी आवास पर धावा बोला। उन्होंने अस्पताल के पार्किंग कर्मचारी को पिस्टल से धमकाया और तीन पेड़ काट लिए। ऐसे ही डॉक्टर के आवास से एक चंदन का पेड़ का प्रमुख हिस्सा काटकर ले गए। वारदात रात 2 बजे बाद हुई। यहां पार्किंग कर्मचारी अनिल पिता तोताराम बलूनी को कुछ आवाज सुनाई दी। तब तक 7-8 बदमाश वहां आ गए। इनमें से एक बदमाश ने उसे पिस्टल से धमकाकर चुप रहने को कहा। तब तक अन्य बदमाशों ने तीन पेड़ काट दिए। इस पर अनिल ने शोर मचाया तो बदमाश कटे पेड़ को छोड़ भाग निकले। दूसरी वारदात इसके कुछ देर बाद डॉ. शिखा घनघोरिया के सरकारी आवास में हुई। रात 3 बजे उन्हें भी कुछ आवाज सुनाई दी। इस पर उन्होंने खिड़की से देखा तो 7-8 बदमाश परिसर में पेड़ काट रहे थे।

चाचा नेहरु अस्पताल में पार्किंग कर्मचारी को पिस्टल से धमकाया

इनके पास हथियार थे। इस पर उन्होंने कंट्रोल रूम पर दो बार फोन लगाया लेकिन नहीं लगा। इस बीच बदमाशों ने पेड़ के बीच का तना काटा। फिर उसके टुकड़े करने के बाद चुराकर भाग गए। सुबह पुलिस दोनों स्थानों पर मौके पर पहुंची और तहकीकात शुरू की। गुरुवार रात संयोगितागंज पुलिस ने अनिल की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

15 दिन पहले की थी रेकी

अस्पताल स्टाफ के मुताबिक करीब 15 दिन पहले 7-8 बदमाश अस्पताल के बाहर एक स्थान पर बैठकर रेकी कर रहे थे। इसकी सूचना उन्होंने अगले दिन प्रबंधन को दी थी। ये बदमाश संभवतः बाहर के हैं और इनके तार चंदन तस्कर से जुड़े हो सकते हैं।

ऐसे दिया अंजाम

गिरोह में जो चार पेड़ काटे हैं उसका ऊपरी हिस्सा रस्सी से बांधकर दोनों ओर से अन्य पेड़ों से बांध दिया था। फिर उन्होंने जमीन के ऊपर हिस्से के तने को काटकर अलग कर दिया। फिर जब ऊपरी हिस्सा रस्सी से बंधे होने के कारण लटक गया तो तने को और ऊपर से काटकर अलग दिया। ऐसे में ऊपरी हिस्सा लटका रह गया। इसके साथ ही तने का हिस्सा उन्होंने अलग कर टुकड़े कर भर लिए। दरअसल चंदन चोरों का यह तरीका होता है कि ताकि पेड़ गिरने की आवाज न आए। इंदौर में पहले भी इन स्थानों के अलावा रेसीडेंसी, नवलखा, चंदन नगर, नवरतन बाग से चंदन के पेड़ काटे जा चुके हैं।

कॉलोनियां अंधेरे में डूबी, वार्ड 36 में स्ट्रीट लाइट नहीं, पार्षद की भी सुनने को तैयार नहीं एजेंसी

इंदौर (एजेंसी)। इस्कॉन मंदिर के आसपास की कॉलोनियां अंधेरे में डूबी हैं। वार्ड 36 के तहत आने वाले इन क्षेत्रों में लंबे समय से स्ट्रीट लाइन लगाने की मांग की जा रही है, लेकिन अभी भी काम पूरा नहीं हुआ है। यह क्षेत्र 17 किमी में फैला है। अभी भी यहां 500 स्ट्रीट लाइट्स का काम बाकी है। निगम ने 4-5 एजेंसियों को काम दिया है, लेकिन वे काम नहीं कर रहीं। यूं तो निगम ने शहर में 1 लाख 42 हजार नई एलईडी लाइट लगवाई हैं। इन्हें बंद-चालू करने के लिए स्कॉडा सिस्टम भी लगाया है। वहीं डेढ़ करोड़ के बिजली खर्च का दावा भी किया जा रहा है लेकिन जिस तेजी से शहर बढ़ रहा है, स्ट्रीट लाइन कम पड़ने लगी है। बायपास से सटी कॉलोनियों में यही स्थिति है। पार्षद सुरेश कुरवाड़े ने बताया कि हम कई बार बोल चुके हैं। वेंडर से बात करते हैं, लेकिन सुनने को तैयार नहीं है।

2 साल की बच्ची को सांप ने काटा

मां खाना बना रही थी, बच्ची चिल्लाई तो मां दौड़कर पहुंची, अस्पताल में दम तोड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पास खुड़ैल निवासी 2 साल की बच्ची को सांप ने कांट लिया। उसे उपचार के लिये निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां रात में डॉक्टरों ने एमवाय अस्पताल भेज दिया। बच्ची को मृत घोषित किया गया है। खुड़ैल पुलिस के मुताबिक 2 साल की मुस्कान को उसके पिता सन्नी लोभानिया निवासी पिवड़ाय, खुड़ैल रात में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। पिता सन्नी ने बताया कि उनकी पत्नी अनीता रसोई में खाना बना रही थी। बेटी बरामदे में खेल रही थी। यहां सांप ने रात में उसके हाथ में काट लिया। उसके जोर से रोने की आवाज पर पत्नी अनिता उसके पास पहुंची तो हाथ से खून निकल रहा था। उसे नजदीक के अस्पताल ले गए। यहां दो से तीन घंटे उपचार के बाद एमवाय भेज दिया। सन्नी ने बताया कि उनकी तीन बेटी हैं। एक 8 साल और दूसरी 4 साल की है, जबकि तीसरी बेटी की मौत हो गई। घटना के समय दोनों बेटियां अलग कमरे में थीं। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

मेडिकेप्स कॉलेज के बाहर छात्रों ने कार फोड़ी

स्टूडेंट ने की थी वहीं की छात्रा से छेड़छाड़, भाई समझाने आया तो कॉलेज के छात्रों ने मिलकर पीटा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के मेडिकेप्स कॉलेज के छात्रों ने परिसर के बाहर एक युवक की पिटाई कर दी। उसकी कार भी फोड़ दी। किशनगंज पुलिस ने गुरुवार को इस मामले में मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि छात्रा से छेड़छाड़ को लेकर उसका भाई आरोपी को समझाने पहुंचे थे। आरोपी ने छात्रा का वीडियो भी वायरल कर दिया था। किशनगंज पुलिस के मुताबिक आरोपी लक्की (20) पुत्र खुशीलाल वर्मा कॉलेज की एक छात्रा को परेशान कर रहा था। यह बात छात्रा ने अपने भाई को बताई। तो उसने लक्की को मेडिकैप्स कॉलेज के बाहर मिलने बुलाया। इनका विवाद होते देख आरोपी लक्की के साथी भी वहां पहुंच गए और छात्रा के भाई और उसके साथ आए युवकों को पीट दिया। कार भी फोड़ दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि करीब आधे घंटे तक सड़क पर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान पुलिसकर्मी भी वहां मौजूद था। छात्रा और उसके भाई ने परिजनों को कॉल कर मौके पर बुलाया और थाने पहुंचे। पुलिस ने सामान्य धाराओं में लक्की और उसके साथियों पर केस दर्ज किया है।

इंदौर में निगम ने खतरनाक मकान तोड़ा

पालतू कुत्ता मलबे में दबा ,पीपुल्स फॉर एनिमल्स ने मांगी कमिश्नर से मदद

इंदौर (एजेंसी)। शुक्रवार को नगर निगम के अफसरों द्वारा झांकी मार्ग पर खतरनाक मकानों को ढहाने का काम किया गया। इस दौरान निगम की लापरवाही से पालतू कुत्ता मलबे में फंस गया। यहां नगर निगम कमिश्नर को कॉल करने की कोशिश की गई। पीपल्स फॉर एनिमल्स ने इस मामले में मदद मांगी है। पीपल्स फॉर एनिमल्स की प्रियांशु जैन ने बताया कि नगर निगम ने शुक्रवार को 626 खजूरी बाजार, रामभक्त मंदिर, राजगुरू कॉम्प्लेक्स पर खतरनाक मकान ढहाने की कार्रवाई की गई। जिसमें नजदीक ही रहने वाले सचिन नाम के व्यक्ति का पालतू कुत्ता दबा रह गया। मौके पर आए संबधित अफसरों को कॉल किया गया। लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। इस मामले में नगर निगम कमिश्नर से भी संपर्क करने की कोशिश की गई है। हालांकि कमिश्नर से भी संपर्क नही हो पाया। घटना के बाद पीएफए इंदौर के प्रियांशु जैन और निडीटेल फाउंडेशन के संस्थापक कार्तिक तंवर तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। दोनों ने मिलकर संसाधन जुटाकर कुत्ते को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कार्तिक और प्रियांशु ने बताया कि कुत्ता अब सुरक्षित है और उसकी सेहत पर ध्यान दिया जा रहा है।

शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों को बड़ी राहत

बायपास एमआर-10 जंक्शन के पास सिग्नल लगाए, डिवाइडर में कट, यू टर्न ले सकेंगे, 7 किमी बचेंगे

इंदौर (एजेंसी)। ट्रैफिक के लिहाज से बायपास पर पहली बार बड़ा बदलाव किया गया है। एमआर-10 जंक्शन और कनाड़िया बोगदे के बीच पटेल नगर जंक्शन पर ट्रैफिक पुलिस ने सिग्नल लगाकर डिवाइडर में कट दे दिया है। इसका फायदा यह हुआ कि देवास तरफ से आकर विजय नगर तरफ जाने वाले जिन वाहनों को अब तक निपानिया क्षेत्र की तंग गलियों से गुजरना पड़ता था, वे सिग्नल पर यू टर्न लेकर एमआर-10 जंक्शन और वहां से विजय नगर, रेडिसन चौराहा सीधे आ सकेंगे। इस बदलाव का दूसरा बड़ा फायदा यह है कि शहर से बड़ी संख्या में जो लोग बायपास स्थित मॉल तरफ जाते थे, उन्हें वापसी में सर्विस रोड पर चलकर पहले कनाड़िया अंडरपास तक जाना पड़ता था, वे भी सिग्नल तक आकर राइट टर्न लेकर सीधे एमआर-10 जंक्शन पहुंच सकेंगे। इससे करीब 7 किलोमीटर का चक्कर बचेगा। इसके अलावा सर्विस रोड पर जाम की परेशानी से भी निजात मिलेगी। मालूम हो, एमआर-10 जंक्शन पर फ्लायओवर निर्माण के चलते आए दिन जाम लग रहा था। बायपास पर लंबी दूरी के वाहनों के साथ ही शहरी क्षेत्र के वाहन चालक भी परेशान थे।

पटेल नगर से आने वाले मुख्य मार्ग पर जुड़ सकेंगे

अगले चरण में मुख्य मार्ग व सर्विस रोड के कट को खत्म करने की योजना है। इसे आने वाले दिनों में लागू करेंगे। इसकी जगह थोड़ा आगे एक दूसरा कट बना दिया गया है। इससे खजराना और पटेल नगर से आने वाली गाड़ियां सीधे सिग्नल पर न जाकर थोड़ा और आगे से मुख्य मार्ग पर जुड़ सकेंगी।

अब सिग्नल टाइम का रिव्यू करना जरूरी

मौजूदा बदलाव से शहरी क्षेत्र के वाहनों को राहत मिली है, लेकिन सिग्नल लगने से एबी रोड पर सीधे आने-जाने वाले वाहनों को परेशानी भी हो रही है। रेड सिग्नल होने पर उन्हें रुकना पड़ रहा है। गुरुवार को राऊ तरफ से आने वाली गाड़ियों का जाम लग गया। इस परेशानी से निपटने के लिए अब पुलिस अफसरों को सिग्नल टाइम का रिव्यू करना पड़ेगा। डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी का कहना है वैकल्पिक व्यवस्था है। पहले बदलाव का असर देखेंगे।

इंदौर के वार्ड 83 उपचुनाव में फिर भाजपा जीती

4255 वोटों से जीते राठौर, कांग्रेस को मिले 2235, 6 उम्मीदवार थे मैदान में

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में वार्ड 83 के उप चुनाव में फिर भाजपा प्रत्याशी की जीत हुई। भाजपा के जीतू राठौर को 6490 वोट मिले हैं। जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार विकास जोशी को 2235 वोट मिले हैं। भाजपा उम्मीदवार 4255 वोटों से चुनाव जीत गए। शुक्रवार को नेहरू स्टेडियम में मतगणना सुबह 9 बजे शुरू हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र रघुवंशी ने बताया कि मतगणना के लिए 15 टीमें बनाई थी। 11 टेबलों पर गणना हुई और 4 टीमें रिजर्व में थीं। पार्षद कमल लड्ढा के निधन के बाद यहां उपचुनाव हुए हैं। बुधवार को वोटिंग हुई थी। भाजपा से जीतू राठौर, कांग्रेस विकास जोशी सहित 6 उम्मीदवार मैदान में थे। इस उप चुनाव में खास बात यह रही की बीजेपी का गढ़ कहे जाने वाले इस वार्ड में मतदाताओं ने चुनाव में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। इस वार्ड में 11 सितंबर को 41.32 प्रतिशत ही मतदान हुआ। जो पिछली बार से कम है। 21 हजार 700 मतदाताओं में से महज 8900 वोटर्स ने ही वोट डाले। 2022 में हुए चुनाव में इस वार्ड से बीजेपी के कमल लड्ढा की जीत 8803 वोट से हुई थी। कमल लड्ढा को उस समय 11 हजार 280 वोट मिले थे। वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के आशीष लाहोटी को 2 हजार 477 वोट मिले थे। इंदौर नगर निगम चुनाव में कमल लड्ढा की जीत सबसे बड़ी जीत थी। बता दें कि इस वार्ड में अब लड्ढा के निधन के बाद यहां उपचुनाव हुआ है। वहीं वार्ड 83 के बाद सबसे बड़ी जीत वार्ड 81 में बीजेपी के अभिषेक बबलू शर्मा की हुई थी।

प्रताड़ना से दुखी नाबालिग ने किया सुसाइड

स्कूल आते-जाते हुए करता था हरकतें, मोबाइल पर भेजे थे अश्लील मैसेज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के द्वारकापुरी में एक नाबालिग छात्रा ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने उसके मोबाइल से मिले स्क्रीन शॉट और मैसेज के आधार पर उसके घर के नजदीक रहने वाले युवक पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने परिवार के बयान के बाद गुरुवार को आरोपी पर आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में केस दर्ज किया है। घटना 26 जुलाई की है। द्वारकापुरी पुलिस के एएसआई आनंद मिश्रा ने बताया कि मृतका 11वीं की छात्रा थी। आरोपी देवेंद्र पंवार पर 108 बीएनएस 2023 के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 26 जुलाई को छात्रा ने जहर खा लिया। उसे अन्नपूर्णा इलाके के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां 26 जुलाई को ही उपचार के दौरान छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में छात्रा के मां और पिता के बयान लिये। उन्होंने बताया में बताया कि देवेन्द्र पंवार आए दिन बेटी को परेशान करता था। स्कूल से छुट्टी होने पर रास्ते में रोककर अश्लील इशारे करता था। जबरदस्ती बातचीत का दबाव बनाता। उसकी हरकतों से लड़की परेशान हो गई और उसने जहर खा लिया। लड़की के भाई ने भी बताया कि उसने देवेंद्र को समझाइश दी थी। लेकिन वह नहीं माना।

13 साल की नाबालिग से घर में घुसकर छेड़छाड़ की

बड़ी बहन के यहां मिलने आई थी, अकेली देखकर पड़ोसी ने की हरकत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के राऊ इलाके में बड़ी बहन से मिलने आई नाबालिग के साथ पड़ोसी ने हरकत कर दी। आरोपी जबरन घर में घुसा और नाबालिग को डरा-धमकाकर गलत हरकत करने लगा। जैसे ही बड़ी बहन वहां पहुंची आरोपी भाग निकला। राऊ पुलिस के मुताबिक आरोपी पड़ोसी अनिल पर छेड़छाड़ पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। नाबालिग और पीड़िता की बहन ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा छोटा है, उसे संभालने के लिए छोटी बहन राखी पर घर आई थी। वह कुछ देर के लिए घर से कहीं बाहर गई थी। वापस लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद था। जैसे ही मैं घर पहुंची तो आरोपी अनिल घबराकर भाग गया। बहन के कपड़े अस्त-व्यस्त थे। इसके बाद बहन रोने लगी। बहन ने बताया कि अनिल ने धमकी दी है कि किसी को कुछ बताया तो जान से मार देगा। इसके बाद बड़ी बहन ने पति को पूरा घटनाक्रम बताया और थाने जाकर अनिल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

बाइक सवारों ने किया बेड टच, लोगों ने पीटा

एमआईजी में बाइक सवारों ने एक युवती को बेड टच किया। युवती के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और दोनों लड़कों को पकड़ लिया। बाद में युवती ने लोगों के साथ मिलकर उन्हें पुलिस के सुपुर्द कर दिया। एमआईजी पुलिस ने बताया कि 23 साल की युवती की शिकायत पर छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। वह कॉल सेंटर में काम करती है और विजय नगर में अपनी मौसी के घर बजरंग नगर जा रही थी। तभी पीछे से आए बाइक सवारों ने उसे बेड टच किया। युवती चिल्लाई तो भीड़ ने उसे पकड़ लिया। और थाने जाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

कुटुंब न्यायालय में भिड़े दो वकील

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कुटुंब न्यायालय में दो वकीलों के बीच गुरुवार को मारपीट हो गई। वहां मौजूद अन्य वकील और लोगों ने बचाव किया। दोनों वकील थाने पहुंचे और एक-दूसरे पर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कराया है। बताया जाता है कि टेबल हटाने को लेकर वकीलों के बीच पहले से विवाद चला आ रहा है। संयोगिता गंज पुलिस के मुताबिक वकील राजेन्द्र नामदेव की शिकायत पर वकील हितेश शर्मा पर केस दर्ज किया गया है। राजेन्द्र नामदेव ने बताया कि वह गुरुवार दोपहर साथी वकील निर्मल शर्मा के साथ कुटुंब न्यायालय में आए थे। यहां अपने साथी डॉ. अजय चौहान से चर्चा कर रहे थे। तब हितेश शर्मा वहां पर आए और अपशब्द कहते हुए बोलने लगे कि वकीलों को मोबाइल पर पेपर की फर्जी कटिंग क्यों भेज रहे हो। मैंने आपत्ति ली तो उन्होंने लात-घूंसों से मारपीट की। इससे सिर कंधे और छाती में अंदरुनी चोट आई। इस बीच अजय चौहान और निर्मल चौहान ने बचाव किया।

इंदौर में निजी कंपनी के गोदाम में लगी आग, डीजल के कंटेनर भी चपेट में आए

धमाके सुनाई दिए, दूर से दिखाई दे रहा धुआं

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में एक निजी कंपनी के गोदाम में आग लग गई। घटना लसुड़िया में एसआर कंपाउंड हिमालय बस बॉडी बिल्डिंग के गोदाम में हुई। आग लगने के बाद कई धमाके भी सुनाई दिए। कई किलोमीटर दूर से धुआं दिखाई दे रहा है। सूचना पर मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंची। दमकलकर्मी आग को बुझाने में जुटे हुए हैं। यहां बस में उपयोग किया जाने वाला रॉ मटेरियल रखा था। कई टैंक डीजल भी रखा हुआ था। इससे आग और फैल गई।

थर्माकोल शीट से फैली आग

मौके पर मौजूद गोदाम मालिक मनीष यादव ने बताया कि वह खाना खाने गए थे, इस दौरान शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी थर्माकोल की शीट पर गिरी, जिससे आग लग गई और वहां रखे अन्य रॉ मटेरियल में फैल गई।

कपड़ा शोरूम महिला कर्मचारी से रेप

शादी का झांसा दिया, 2 लाख लिए, फिर दूसरी महिला से रचाई शादी

इंदौर (एजेंसी)। एबी रोड की एक कपड़ा शोरूम कर्मचारी से वहीं के सहकर्मी ने शादी का झांसा देकर रेप किया। आरोपी ने दो लाख रुपए भी ले लिए और खंडवा जाकर दूसरी महिला से शादी कर ली। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एमआईजी पुलिस के मुताबिक 28 साल की युवती की शिकायत पर हरिओम पुत्र देवीलाल पटेल निवासी सराई गांव भानगढ़ खंडवा पर रेप का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसके साथ ही एबी रोड पर कपड़े के शोरूम में काम करता था। उसने शादी का झांसा देकर कई बार उसका शोषण किया। पीड़िता ने पुलिस शिकायत में बताया है कि वह 2017 में काम के सिलसिले में इंदौर आई। 2019 में एबी रोड पर कपड़े के शोरूम में जॉब के लिये पहुंची। यहां पर हरिओम पटेल भी काम करता था। यहां दोनों की पहचान के बाद दोस्ती हुई।

दोनों एक दूसरे से प्रेम करने लगे। इसके बाद हरिओम अटल द्वारा के यहां किराये के रूम पर आने लगा। उसने भरोसा दिलाया कि शादी करेगा। इसके बाद शारीरिक संबंध को लेकर दबाव बनाया। उससे परेशान होकर दूसरी जगह रूम लिया पर हरिओम वहां आने लगा। इस दौरान उसने कई बार संबंध बनाए। मैं जब भी शादी की और परिवार से मिलाने की बात करती वह हमेशा टाल देता। नवंबर 2023 में आखिरी बार मिला। उसने खंडवा जाकर आने के बाद मिलने की बात कही। वहां जाकर नंबर ब्लॉक कर दिया।

मैंने उसके दोस्तों से पूछा तो पता चला कि उसने दूसरी महिला से शादी कर ली है। मैंने उसके नए नंबर पर कॉल किया तो कहने लगा कि तुम्हारे पास तो मैं टाइम पास करने आता था। पीड़िता ने इसके बाद पुलिस से शिकायत कर दी। पीड़िता ने पुलिस को हरिओम की कई कॉल रिकॉर्डिंग, फोटो और रुपए के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के सबूत सौंपे। पुलिस ने इस आधार पर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में कांग्रेस एक साल में लगातार तीन चुनाव हारी, हार पर जीतू पटवारी बोले- कोई बात नहीं...

इंदौर (एजेंसी)। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के गृह जिले में कांग्रेस को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। अब पार्टी नगर निगम के पार्षद उपचुनाव में भी हार गई है। विधानसभा, लोकसभा के बाद एक साल के भीतर तीसरे फॉर्मेट में भी पार्टी हार गई है। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 83 के उपचुनाव में चुनाव हुए थे। यहां मिली हार परमीडिया ने पटवारी से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि कोई बात नहीं। बस इतनी ही प्रतिक्रिया देते हुए फोन काट दिया।

उपचुनाव हार पर बोले कांग्रेस प्रत्याशी, जनादेश स्वीकार

वार्ड 83 का चुनाव जीतने के लिए इंदौर कांग्रेस के पूरे नेताओं ने जोर लगाया था लेकिन इसके बाद भी परिणाम कांग्रेस के पक्ष में नहीं आया। वहीं बीजेपी की तरफ से इस चुनाव में सिर्फ इंदौर 4 की विधायक मालिनी गौड़ ही मैदान में नजर आ रही थी। उपचुनाव में हुई हार को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी विकास जोशी का कहना है कि बीजेपी के प्रति जनता बहुत आक्रोशित थी। लेकिन जनता का जनादेश स्वीकार्य है। जो बीजेपी से नाराज थे वोट देने नहीं निकले, अगर वह वोट देने जाते तो स्थिति अलग होती।

संपादकीय

केजरीवाल की रिहाई के मायने

शराब नीति घोटाले में 177 दिनों से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर रिहाई से जहां अदालत पर लोगों का भरोसा बढ़ा है, वहीं सर्वोच्च अदालत ने सीबीआई पर भी तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट के फैसले से जहां आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश जागा है, वहीं केजरीवाल की रिहाई की टाइमिंग को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि यह जमानत भी सशर्त दी गई है और इसको लेकर डबल बेंच में मतभेद थे। बावजूद इसके केजरीवाल की रिहाई को हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है, जहां आप सभी 90 सीटों पर लड़ रही है। राजनीतिक प्रेक्षक इस बात का अंदाजा लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि केजरीवाल का फिर से मैदान में आना किसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएगा, भाजपा को या कांग्रेस को? उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह ज़मानत दिल्ली सरकार की आबकारी नीति से जुड़ी सीबीआई की एफ़आईआर में दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि केजरीवाल को 10 लाख रुपए का मुचलका भरना होगा। उल्लेखनीय है कि इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुयन की बेंच ने की थी और पांच सितंबर को फ़ैसला सुरक्षित रख लिया था। लेकिन जस्टिस उज्जवल भुयन ने ज़मानत देते हुए कहा कि सीबीआई को पिंजरे में बंद तोते की छवि तोड़नी चाहिए और उसे दिखाना चाहिए कि वह पिंजरे में बंद तोता नहीं है। जस्टिस भुयन ने केजरीवाल की गिरफ़्तारी की टाइमिंग पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब ईडी के मामले में ज़मानत मिल गई थी तभी सीबीआई ने दोबारा गिरफ़्तार कर लिया। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की थीं। इसमें एक याचिका ज़मानत ना दिए जाने के ख़िलाफ़ थी। दूसरी याचिका इस केस में सीबीआई की गिरफ़्तारी के ख़िलाफ़ दायर की गई थी। मार्च 2024 में केजरीवाल को ईडी की टीम ने गिरफ़्तार किया था। विगत 12 जुलाई को ईडी के मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से ज़मानत मिल गई थी। लेकिन वो जेल से बाहर नहीं आ सके थे। केजरीवाल को जमानत का आप और विपक्षी पार्टियों ने स्वागत किया है, वहीं भाजपा ने कहा कि केजरीवाल को ज़मानत बेशक मिली हो पर उन्हें अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। क्योंकि अदालत ने बतौर सीएम उनके काम करने पर रोक लगा दी है। ऐसे में जब केजरीवाल मुख्यमंत्री का काम नहीं कर सकेंगे तो उन्हें पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। केजरीवाल की राजनीतिक गतिविधियों पर कोई रोक नहीं है। ऐसे में वो हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रचार कर सकेंगे। हरियाणा में कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की बात कांग्रेस की बेरूखी के कारण नाकाम हो गई थी। हरियाणा केजरीवाल का गृह राज्य भी है। ऐसे में उनकी रूचि इस राज्य में पार्टी को मजबूती से खड़ा करने की है। यूं आप ने 2019 के विधानसभा चुनाव में भी 46 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें उसे महज 0.48 फीसदी वोट ही मिले थे। तब राज्य में भाजपा ने जेजेपी से गठबंधन कर दूसरी बार सरकार बना ली थी। लेकिन इस बार आप ज्यादा मजबूती से चुनाव लड़ रही है। केजरीवाल के प्रचार में आने से आप को मजबूती मिलेगी। आप ने कई दूसरी पार्टियों के बागियों को टिकट दिया है। ये लोग चुनाव में कमाल दिखा सकते हैं। माना जा रहा है कि कम से कम 8 से 10 सीटें ऐसी हैं, जहां आप खेल कर सकती है। ऐसे में चिंता भाजपा और कांग्रेस दोनों खेमों में है। भाजपा को आप शहरी क्षेत्रों तो कांग्रेस को ग्रामीण इलाके में नुकसान पहुंचा सकती है।

रोजगार के बाजार में हिंदी का बढ़ता जलवा

जब हिंदी और आजीविका पर चर्चा होती है तो लोग निराशाजनक उत्तर देते हैं। हिंदी को पढ़ना शायद वे अपराध बोध समझते हैं। अधिकांश लोगों की सोच ऐसी होती है, जिसे कहीं प्रवेश नहीं मिलता या जो विज्ञान पढ़ने में असफल हो जाता है, अंततोगत्वा वह हिंदी साहित्य के अध्ययन की ओर उन्मुख होता है। बहुधा लोग कहते हैं कि हिंदी पढ़कर क्या होगा? कौन सा रोजगार मिलेगा? लेकिन ऐसी सोच रखने वालों को इस बात का आभास नहीं होता है कि हिंदी को विधिवत अधीत करने वाला विद्यार्थी कभी आजीविका विहीन नहीं हो सकता है। उसे अपनी जिंदगी के भरण- पोषण का अवसर कहीं ना कहीं मिल जाता है।

नजरिया

डॉ वत्सला
प्रोफ़ेसर और लेखिका

संस्कृत के बाद हिंदी भाषा में ही हमारी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, विरासत सुरक्षित हैं। इसके साथ ही लोक कथाएं, लोककला, लोकाचार और लोक परंपरा सब सुरक्षित व संरक्षित है। हिंदी भाषा के प्रति बड़े-बड़े महापुरुषों, वैज्ञानिकों राजनीतिज्ञों, फिल्मकारों तथा अशिक्षित व्यक्तियों की भी प्रगाढ़ अभिरुचि देखने को मिलती है। फिर भी हिंदी भाषा को लोग सदा कमतर आते हैं। हिंदी भाषा में दक्षता प्राप्त करने के लिए आपको किसी डिग्री की आवश्यकता नहीं होती है अशिक्षित तथा कम पढ़े लिखे लोग भी हिंदी में बहुत ही उत्तम लेखन कार्य किए हैं और वर्तमान में भी कर रहे हैं। यदि भूतकाल और वर्तमान पर दृष्टि डालें तो ऐसी कई नामावलियों देखने को मिल जाएगी जैसे कबीर, रवीन्द्रनाथ टैगोर कालिदास, रविदास, रहीम, रसखान, दादू दयाल तुलसी आदि।

हिंदी के साथ यह बहुत बड़ी विडम्बना रही कि जब अंग्रेज भारत आए तो उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से भारतीय शिक्षा व संस्कृति को पिछड़ी व अनुपयोगी बताकर एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयों के ऊपर थोपा, जो थी तो भारतीय पर मन मस्तिष्क से अंग्रेजी की पूजा करने वाली थीं। अंग्रेजों की शिक्षा नीति का उद्देश्य संस्कृत , पाली एवं फारसी भाषा के वर्चस्व को तोड़कर अंग्रेजी की संप्रभुता स्थापित करना था। इसलिए 1835 ईस्वी में मैकाले ने संस्कृत के स्थान पर अंग्रेजी को राजभाषा के पद पर आसीन कर दिया। इसका हमारी भाषा व संस्कृति पर दूरगामी प्रभाव पड़ा। हिंदी भाषा के अध्ययन के प्रति लोग उदासीन हो गए। लेकिन, हिंदी भाषा की लौ को अंग्रेज बुझा ना सकें। समाज के लोग अवश्य अंग्रेजी भाषा के भक्त बन गए लेकिन हिंदी साहित्य के साहित्यकारों, समाज सुधारकों, बड़े-बड़े महापुरुषों, विद्वानों ने हिंदी का अलख जगाए रखा और हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पुरजोर प्रयास किया। किंतु राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण वह संभव नहीं हो सका।

किंतु स्वतंत्रता के समय भारतेंदु हरिश्चंद्र ने खड़ी बोली के माध्यम से नवजागरण का शंखनाद किया। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी के साथ बाबू श्याम सुंदर दास, प्रताप नारायण मिश्र आदि कितने ही हिंदी प्रेमियों ने हिंदी की मशाल को आगे बढ़ाया। भारतेंदु जी का मत था कि समस्त उन्नति अपनी भाषा पर ही आश्रित है। 'निज भाषा उन्नति अहै,सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को शूल।' प्रताप नारायण मिश्र ने कहा 'सब मिलि बोलो एक समान हिन्दी हिन्दू हिन्दुस्तान।' आज हिंदी आसेतु कैलाश पर्वत व्याप्त है। हिंदी आरंभिक काल से ही बड़ी सशक्त और समर्थ भाषा रही है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन हिंदी भाषा के बलबूते पर लड़ा गया। स्वतंत्रता आंदोलन के समय देशभक्ति की भावना को जगाने के लिए हिंदी सबसे बड़ा संबल थी। अनेक कवियों व कवित्रियों ने अपनी लेखनी से देश को गुलामी से मुक्त कराने के लिए उत्प्रेरक रचनाएं लिखी जैसे मैथिलीशरण गुप्त,श्याम नारायण पांडे, रामधारी सिंह दिनकर, सोहनलाल द्विवेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि न जाने कितने कवियों ने अपनी रचनाओं से देश भक्ति की भावना जन-जन तक पहुंचाई तथा युवा शक्ति की चेतना को जोश से भर दिया। भारत की स्वतंत्रता के पश्चात निरंतर यह प्रयास किया गया कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, किंतु इस दिशा में सफलता अभी तक नहीं मिली।

हिंदी हमारी राजभाषा है ऐसा केंद्रीय राजभाषा विभाग द्वारा कहा गया है। 14 सितंबर, 1949 को इसे राजभाषा

घोषित किया गया, किंतु वर्तमान में हिंदी राष्ट्रभाषा का स्थान ग्रहण कर रही है। भारत में 28 राज्य हैं किंतु 10 राज्यों में हिंदी बोली जाती है। लेकिन, अन्य राज्यों में भी हिंदी वैश्वीकरण और उदारीकरण के कारण प्रसृत हो गई। आज हिंदी वैश्विक स्तर पर भी व्याप्त हो गई है। हिंदी अमेरिका, यूरोप अफ्रीका, एशिया ऑस्ट्रेलिया सहित 193 देशों में फैल गई हैं। आज 50 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं और 90 करोड़ लोग हिंदी समझते हैं। हिंदी भाषा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर विद्यार्थी प्राथमिक, माध्यमिक, विद्यालयों, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के विद्यालयों में नवोदय विद्यालयों में शिक्षक बन सकते हैं। यदि किसी ने पीएचडी .की उपाधि हिंदी भाषा में प्राप्त कर ली है तो वह सरकारी, अर्ध सरकारी, महाविद्यालयों विश्वविद्यालयों में सहायक अध्यापक बन सकते हैं। आप लेखक, कवि , साहित्यकार बन सकते हैं।

सरकारी, गैर सरकारी, अर्ध सरकारी, राजभाषा विभाग, संस्कृति मंत्रालय से निकलने वाली पत्रिकाओं के संपादक, उपसंपादक बन सकते हैं। पत्रिकाओं के ईक्ष्य शोधक (प्रूफरीडर) बन सकते हैं। टीवी, रेडियो पर जो काम करना चाहते हैं वे पत्रकारिता, जनसंचार में डिप्लोमा-डिग्री के साथ हिंदी में अकादमिक योग्यता हो तो वे इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। आपकी आवाज और आपका उच्चारण सही व सुमधुर हो तो आप समाचार वाचक आकाशवाणी, दूरदर्शन तथा अन्य निजी चैनलों के बन सकते हैं। समाचार पत्रों में पत्रकार, सोशल मीडिया के चैनलों पर पत्रकार, संवाददाता, रिपोर्टर बन सकते हैं। रेडियो, टीवी सिनेमा में आपको पटकथा लेखक,संवाद लेखक, गीतकार, गजलकार के रूप में अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। इसके लिए सृजनात्मक लेखन में डिग्री/ डिप्लोमा आपके जीवन में चार चांद लगा सकते हैं। द्वि भाषायी दक्षता होने पर अंतरराष्ट्रीय लेखकों के ग्रंथों का हिंदी में अनुवाद तथा हिंदी लेखकों की कृतियों का अंग्रेजी तथा अन्य विदेशी भाषाओं में अनुवाद कर रोजगार तथा यश दोनों को प्राप्त कर सकते हैं।

विज्ञापनों का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद कर सकते हैं। स्वतंत्र अनुवादक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विदेशी एजेंसियों से भी अनुवाद परियोजनाओं के अवसर प्राप्त होते हैं। यह कार्य आसानी से इंटरनेट के माध्यम से किया जा सकता हैं। विश्व में अनेक भाषा कंपनियां है जो बहुभाषी सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। ये कंपनियां अनुबंध के आधार पर सेवाएं प्रदान करती हैं। इन फर्मों में रोजगार के अवसर स्थाई या स्वतंत्र अनुवादक तथा भाषांतर कारों के रूप में उपलब्ध होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन संस्थानों में अनुवादक, संपादक और कंपोजर के रूप में रोजगार के व्यापक अवसर मौजूद है। अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्थानों ने बड़े पैमाने पर पुस्तकों को अनूदित एवं रूपांतरण करके हिंदी में प्रकाशित करना प्रारंभ कर दिया है।आप इसमें भी आजीविका प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के राजभाषा विभाग में हिंदी अनुवादक, हिंदी सहायक के पद होते हैं जिन्हें हिंदी के ज्ञाता प्राप्त कर सकते हैं। केंद्रीय हिंदी संस्थान तथा राज्य में स्थापित हिंदी संस्थान व अकादमियों में ऐसे अनेक पद होते हैं,जिनमें विद्यार्थी रोजगार पा सकते हैं। बैंकों में हिंदी अधिकारी के पद होते हैं, जिसे युवा प्राप्त कर सकते हैं। सैन्य अकादमी में भी हिन्दी द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। हिंदी में नए-नए पाठ्यक्रम खुल गए हैं जिनमें प्रवेश लेकर युवा शक्ति आजीविका प्राप्त कर सकती हैं यथा अनुवाद हिंदी स्नातकोत्तर व डिप्लोमा, सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर व डिप्लोमा, कार्यात्मक हिंदी में डिप्लोमा, पत्रकारिता व जनसंचार में स्नातकोत्तर व डिप्लोमा।

तकनीकी भाषा के रूप में हिंदी की शुरुआत 1991 में हुई। भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी विकास मिशन की स्थापना के साथ हुई। राजभाषा विभाग के सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग ने वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली को विकसित किया है ताकि कंप्यूटर के सभी उपकरणों में हिंदी में काम करने की सुविधा हों। माइक्रोसॉफ्ट, आईवीएम से लेकर अडोव तक अनेक सॉफ्टवेयर कंपनियां भारतीय ग्राहकों के लिए हिंदी में प्रयोग किये जा सकने वाले सॉफ्टवेयर पैकेज लेकर भारत में आ रही है। अतः तकनीकी के क्षेत्र में कंप्यूटर द्वारा हिन्दी के प्रयोग व रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सी-डैक पुणे ने बहुभाषी कम्प्यूटिंग की अवधारणा को विकसित किया है जिससे सूचना प्रौद्योगिकी में भारतीय भाषाओं का प्रयोग सुविधाजनक हुआ है। आज हमारी भाषा की अत्यधिक लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते महत्व के साथ-साथ हिंदी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के नए-नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। भारत में भी अधुना हिंदी भाषा में रोजगार के अनेक सुअवसर उपलब्ध हो रहे हैं। अतः हिंदी पढ़कर हीन भावना लाने, उदासीन होने या निराश होने की आवश्यकता नहीं है। हिंदी उत्तरोत्तर विश्व में अब विकास के सोपान पर अग्रसर हो रही हैं।

हिंदी - राजभाषा, राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा

हिंदी दिवस विशेष

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी
पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है।

संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो।

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त्वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को एक नई पहचान मिली है। भारतीय विचार और संस्कृति का वाहक होने का श्रेय हिंदी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है।

हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, 'भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी'। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 260 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही हैं। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है।

भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है। राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान संबंधी पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध होंगी। हिंदी भाषा के माध्यम से शिक्षित युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें, इस दिशा में निरंतर प्रयास भी जरूरी है।

भाषा वही जीवित रहती है, जिसका प्रयोग जनता करती है। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिंदी है। इसलिए इसको एक-दूसरे में प्रचारित करना चाहिये। हिंदी भाषा के प्रसार से पूरे देश में एकता की भावना और मजबूत होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के माध्यम से हम हिंदी के संपर्क भाषा और राजभाषा, दोनों रूपों की तरक्की में बेहतर योगदान कर पाएंगे।

भाषा के संयम व गरिमा का संकल्प

राजभाषा दिवस

- सुरेश उपाध्याय

हिंदी दिवस के निमित्त साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक आयोजनो की श्रंखलाओ में वाद-विवाद, भाषण - अभिव्यक्ति, निबंध, कहानी / कविता लेखन / पाठ आदि प्रतियोगिताओ के आयोजनो के साथ साहित्यकारो / हिंदी सेवियो के सम्मान के समाचार हमेशा की तरह इस बार भी आ रहे हैं. यह सुखद है कि भाषा के साथ साहित्य को जोडकर आयोजनो को विशिष्ठता प्रदान करने की परम्परा भी रही है. यह अवसर राजभाषा नियम / अधिनियम के तहत हिंदी के प्रगामी प्रयोग की प्रगति के मूल्यांकन के साथ आगामी समय में और अधिक विस्तार देने के लिए संकल्प के रुप में भी देखा जाता रहा है. हिंदी को राष्ट्र भाषा न बनाए जाने की चिंता के स्वर भी इस अवसर पर सुनाई देते हैं. भाषा की शुद्धता, दूसरी भाषा व बोलियो के शब्दो को अपनाने की जरुरत पर भी विचार इस समय ही ज्यादा याद आते हैं. राजभाषा बनाम जनभाषा / लोकभाषा की बहस भी नयापन दिखाते हुए पुराने ढर्रे पर चलाई जाती है. एक तरह से इस अवसर को एक परम्परा और उसके निर्वाह की आवश्यकता सा बना दिया गया है. सन्योग या दुर्योग से पितृपक्ष भी इसी समय या इसके आसपास आता है और कटाक्ष भी इसको लेकर किये जाते रहे हैं।

भाषा को अभिव्यक्ति का माध्यम माना गया है और मातृभाषा में ही मौलिक चिंतन की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति सम्भव है फिर भाषा के प्रति ऐसा औपचारिक व्यवहार क्यो?, यह विचारणीय प्रश्न है. भाषा का प्रयोग लिखने, बोलने, संवाद और व्याख्यान / भाषण में भी किया जाता है. आज इनमें जिस तरह की आक्रामक, भडकाऊ, उकसाऊ, हिंसात्मक भाषा का प्रयोग बढता जा रहा है, उसे अनदेखा क्यो किया जा रहा है? भाषा का यह रुप जीवन के किसी भी क्षेत्र में हो या किसी भी माध्यम में हो, हमारी सामूहिक चिंता के केंद्र में क्यो नही है? इलेक्ट्रोनिक मिडिया, प्रिंट मिडिया, सोशल मिडिया, राजनीतिज्ञो के भाषण, विज्ञप्तियो व परस्पर संवादो / चर्चाओ में बहुत स्पष्टता से इसे देखा, पहचाना और सुना जा सकता है. वार- पलटवार, हमला जैसे शब्दो का प्रयोग क्यो किया जा रहा है? और इनका प्रयोग परेशान क्यो नही कर रहा है? यह शब्द सामान्य क्यो लगने लगे हैं? भाषाई हिंसा को देह भाषा और अधिक उत्तेजक बना रही है. इसके परिणाम स्वरुप हिंसा का जघन्य व घातक स्वरुप दिन प्रतिदिन बढता जा रहा है. हिंसा व आक्रात्मकता की भाषा किसी भी देश - समाज के लिए हितकारी नही हो सकती है तो विविधता की विशेषता से सुसज्जित इस महादेश के लिए कैसे लाभकारी हो सकती है? हिंदी दिवस के इस अवसर पर सभी पक्षो को इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए तथा सुधारात्मक पहल के प्रभावी कदम उठाना चाहिए।

आज का युग बाजार का युग है तथा 142 करोड आबादी का यह महादेश दुनिया का सबसे बडा बाजार है. पुरी दुनिया इसके महत्व को समझती है तथा इसी जरुरत के चलते देश व दुनिया में हिंदी विस्तार पा रही है. यह भाषा विस्तार के लिए किसी की मोहताज नही है लेकिन अपसंस्कृति के हमलो से बचाने, इसके स्वरुप को विकृत करने के प्रयासो के विरुद्ध सतर्क व सजग रहने की जरुरत है. यह जिम्मेदारी भाषा को अपना समझने वालो तथा भाषा से प्यार करने वालो की है कि वे इसके लिए विमर्श कर जरुरी व प्रभावी हस्तक्षेप करे. अपनी भाषा के प्रति लगाव का अर्थ अन्य भाषाओ से बैर नही है, अपनी रुची व जरुरत के लिए सबको अन्य भाषाओ को सीखने का अधिकार है तथा उनके अधिकार का सम्मान करते हुए किसी भी भाषा के बहिष्कार के विचार से दूर रहना चाहिए।

हिंदी के साथ ही अन्य भारतीय भाषाओ के प्रति भी समान आदर भाव की जरुरत मन, वचन व कर्म में प्ररिलक्षित होना चाहिए. भाषा अभिव्यक्ति के माध्यम के साथ संस्कृति की संवाहक भी है और इस आयाम से भी प्रांतीय / क्षेत्रीय भाषाओ के प्रति एक सकारात्मक विचार व दृष्टि अपेक्षित है. यह भाषाए हिंदी की सहोदर है तथा एक दूसरे पर उन्हे थोपने का प्रश्न ही नही है. एक दूसरे के विस्तार, समन्वय, सहयोग व समर्थन से ही भारतीय संस्कृति का इंद्रधनुष निखरता है. हिंदी व भारतीय भाषाओ के परस्पर संवाद में अनुवाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और जो अनुवादक इस दिशा में काम कर रहे हैं, उनका अभिनंदन है, इसे और बढावा देने तथा प्रेरित करने की जरुरत है. राजभाषा दिवस को भारतीय भाषायी दिवस के रुप में मनाते हुए इसे विस्तार दिया जा सकता है तथा एकता के सूत्र को नये आयाम दिए जा सकते हैं. हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओ के समुचित प्रयोग के विस्तार के साथ उनके स्वरुप की अक्षुण्णता के लिए व्यक्तिगत व सामूहिक संकल्प को मूर्त रुप देने के लिए किसी नये संकल्प की जरुरत नही होना चाहिए. हिंदी दिवस के निमित्त के संकल्पो में भाषा व देहभाषा की आक्रामकता के विरुद्ध संकल्प को भी जोडने का विचार आवश्यक लग रहा है. पहल कौन करे, इसकी प्रतिक्षा करने के बजाए स्वयम से तो इसकी शुरुआत कर ही सकते हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आर्टिफिशियल हिंदी डे का सेलिब्रेशन

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय
लेखक व्यंग्यकार हैं।

मॉर्निंग वॉक के दौरान पंडित शिवनारायण जी बोले यह दुनिया बनावटी हो गई है बगैर बनावटी कार्य के कोई सफलता हासिल नहीं होती है । पोते ने कल ही पूछा दादाजी स्कूल वालों ने, हिंदी डे पर बनावटी बुद्धिमता, यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक निबंध लिखने के लिए कहा है। और यह भी कहा कि अब पढ़ाई ऑनलाइन होती है , शिक्षक और छात्र सभी ऑनलाइन है इसलिए बुद्धि को बनावटी बनाकर बुद्धिमत्ता की पनौती पर एक निबंध हिंदी डे पर देना है ।

पंडित जी की बात बात सुनकर लखन जी बोले हमारे गांव में एक स्टुडेंट घर से बेलाइन हो गया था उसके माता-पिता ने उसे बे लाइन से बेदखल करने के लिए जबरदस्ती ऑनलाइन पढ़ाई के लिए शहर में भेज दिया और शहर के इंग्लिश स्कूल में प्रवेश दिला दिया । जब बनावटी बुद्धिमत्ता पर निबंध लिखने की बात सामने आई तो बे लाइन स्टूडेंट बोला इस असल बुद्धि से जब कुछ

हासिल नहीं हुआ तो इस बनावटी बुद्धिमत्ता से क्या प्राप्त होगा यह दिमाग का दही बनाने जैसी बात है।

इस पर दफ्तर पट्टी, कलम दवात ,बस्ता, किताब पर लिखने की लाइन को छोड़कर ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले संतोष ने झुंझलाकर ने डैडी से ,हिंदी डे, पर ऐसे विषय पर ,ऐसे, लिखने के पहले कहा की आप ने भी गलती की मेरा नाम संतोष की जगह, सेटिस्फेक्शन, रखना था ताकि आर्टिफिशियल हिंदी डे में उपयोग किया जा सकता । वह बोला कुछ हिंदी को हिंडी और इंग्लिश को हिंग्लिश में बदलकर बनावटी बुद्धि से भाषा को सीखा रहे है । जिस से इंग्लिश और हिंदी दोनों की ही औकात गिर गई है । अब हिंदी इंग्लिश का मिला-जुला ताना बाना हिंदी डे की तरह हो गया है हिंदी हिंदी है और डे इंग्लिश हो गया है । इसी कारण ट्रंप की तर्ज पर मोदी जी, मोडी जी हो गए और हिंदी हिंडी हो गई है।

हिंदी डे पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ऐसे में एक उद्दंड विद्यार्थी एकनाथ ने लिखा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक आर्ट है जो स्मार्ट बनने का सबक सिखाती है पहले गुरुकुल में असली हिंदी संस्कृत के शब्द थे अब उनकी जगह स्मार्ट क्लास , स्मार्ट टीचर,स्मार्ट स्टूडेंट,स्मार्ट बोर्ड, स्क्रीन को टच करने वाली स्मार्ट फिंगर ,डस्टर की जगह माउस ने बना ली है । इन सारी चीजों में हिंदी की डिस्टेंस हिंदी डे पर टेंस देती है । लेकिन जब वनडे हिंदी का डे होता है तो स्मार्ट क्लास उस दिन, ड्राय डे,की तरह बंद रखी जा सकती है ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एंट्री बिजनेस,हेल्थ, एजुकेशन, बैंकिंग,फाइनेंस,एग्रीकल्चर,व्हीकल में होने पर उधंड विद्यार्थी ने ऐसे में लिखा कि हिंदी के आभासी ,बनावटी शब्दों को आर्टिफिशियल तरीके से मॉक से जोड़कर इन्हें प्रचलन ला दिया है। बड़े से बड़े और छोटे से छोटे चुनाव में,मॉक पोल, होते हैं जिन्हें लोकतंत्र के पहरुए समझते ही नहीं है लेकिन माक पोल न हो तो इलेक्शन नहीं होते है , इसी तरह परीक्षा के लिए नकली परीक्षा होती है लेकिन हिंदी में नकली की तोहीन मानी जाती है नकली को, मॉक टेस्ट ,नाम देकर एग्जाम में एंट्री दे दी है और किसी चीज से निपटने के लिए, मॉक रिहर्सल, किया जाता है ।इस पर अरविंद जी बोले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भाषा का विश्लेषण समझने के लिए किया जा सकता है लेकिन अब ऐसी कौन सी भाषा का विश्लेषण इस बनावटी बुद्धिमत्ता से हो सकता है यह यक्ष प्रश्न है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में ओरिजिनल हिंदी नहीं है इसमें आर्टिफिशियल हिंदी है । कई नेता अभिनेता जिम्मेदार लोग अपने एक्स हैंडल और वेबसाइड को हिंदी में शुरू कर दिया हैं । इस तरह हमारी हिंदी भी आर्टिफिशियल बोलबाला समझ रही है , ऐसे में वह दिन दूर नहीं जब ओरिजिनल हिंदी की जगह आर्टिफिशियल हिंदी डे मनाना शुरू हो जाए !

हिंदी दिवस विशेष

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

हिंदी छोटे केंद्र से उठाकर वैश्विक धरातल पर ले जाती है

हिंदी भाषा, हिंदी समाज की जीवंत सामाजिक उपस्थिति की सांस्कृतिक उपलब्धि है। जब हिंदी समाज की बात करते हैं तो हिंदी प्रदेशों की वह जनता सामने होती है जिसकी बोली बानी से लेकर आचरण और विचार व्यवहार तक सब कुछ हिंदी है। हिंदी में होना यानी जीवन यापन के संघर्ष से लेकर अपने सपनों की उड़ान तक जो संघर्ष यात्रा है वह भाषा के रास्ते ही जीवन कौशल का पर्याय बन सामने आती है। इतना ही नहीं उस आदमी के मुक्ति संघर्ष और स्वप्न व आकांक्षा की पूर्ति भी भाषायी आधार पर हिंदी के माध्यम से होता है। यह आज की बात नहीं है यह इन प्रदेशों की आम जनता द्वारा अपने क्षेत्र से निकल कर दूर देश तक और प्रदेश में भी रोजी रोटी के क्रम में, जीवन के विस्तार में अपनी भाषा के साथ साथ अपनी सामाजिक उपस्थिति और सांस्कृतिक उपस्थिति को एक साथ दर्ज कराते हुए परदेश में यानी समूचे विश्व में एक और भारत बसाने की बात के रूप में है। यहां हिंदी भारतीय जीवन प्रणाली और जीवन संस्कृति के रूप में जीवन उत्सव बनकर सामने आती है । यहां भाषा साहित्य की अभिव्यक्ति मात्र न होकर समूचे जीवन विस्तार को प्रकट करने का केवल माध्यम भर नहीं बनती बल्कि भारत को अभिव्यक्त करने का जरिया बन जाती है। यह जो हिंदी है वह झोपड़ी से निकल कर बाजार और महलों तक की यात्रा इतनी सहजता से करती है कि हर आदमी आज इसकी प्रगति को देखकर भौंचक है। यह हिंदी संघर्ष की, जन आकांक्षाओं की और सहज सरल इतनी की इसे स्वीकार करने में कुछ अलग से करने की जरूरत महसूस नहीं होती है। यह हिंदी, हिंदी भाषा भाषी समाज के लोगों में इतनी अधिक रची बसी है कि यदि वह अन्य भाषा का भी प्रयोक्ता है अन्य भाषा माध्यम को जी रहा है तो भी जीवन व्यवहार के लिए वह हिंदी को इस भाव से अपनाता है कि हिंदी के अलावा जैसे उसे कुछ और आता ही नहीं। हिंदी जीवन व्यवहार व साहित्य सामर्थ्य की भाषा एक साथ है। जितना व्यावहारिक धरातल पर सफल है उससे कहीं ज्यादा सैद्धांतिक प्रयोग और साहित्य व संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में जानी जाती है। जो कुछ भी जीवन व्यवहार में जीया जाता है वह हिंदी ही है और हिंदी के इस बड़े समाज को बाजार, समाज नीति और अर्थ नीति के साथ साथ सांस्कृतिक नीति के केंद्र में रखते हुए भाषागत स्थिति और सांस्कृतिक विरासत की स्थिति को ऐसे प्रकट किया जाता है कि... हिंदी की बात मन प्राण और संस्कृति की उस सिद्धि तक पहुंच जाती है कि यदि भाषा के रूप में आपने इसे नहीं साधा तो आप कुछ नहीं कर सकते न ही देश के हो सकते हैं न ही देश को जी सकते हैं। हिंदी सामाजिक अस्तित्व की जीवंत भाषिक उपस्थिति है जिसमें पूरे समाज को अपनी रचनात्मक यात्रा के रूप में इस तरह देखा जाता है कि उसकी सारी उपलब्धियां सहज ही सामने आ जाती हैं।

इसके लिए अलग से कुछ नहीं करना होता है यही हिंदी की सहजता और सरलता है जिसके बिना इतनी सामर्थ्य रखने वाली भाषा से हम साक्षात्कार ही नहीं कर पाते हैं । इस समाज के सामने जो कुछ है वह हिंदी है और हिंदी का यही अस्तित्व राग उसे एक छोटे से केंद्र से उठाकर वैश्विक धरातल पर ले जाती है। यह जो भाषिक उपलब्धि है वह मानवीय सरोकार का सबसे बड़ा जीवंत उदाहरण है कि यदि आप भाषा में नहीं सोच सकते तो आप कोई भी क्यों न हों, कोई मतलब नहीं रह जाता है। हिंदी सामाजिक अस्तित्व को जीने वाली भाषा है। यह समाज जो कुछ भी प्रस्तुत करता है या कर सकता है वह सब हिंदी है। एक खुली सच्चाई है कि इस महादेश की समूची जनता आत्म गौरव के रूप में हिंदी को राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में एक साथ रेखांकित करने के लिए जीवित बोध को प्रस्तुत करती है। हिंदी भाषा भाषी समाज हिंदी को जी रहा होता है। उसकी हिंदी उसके विचार अभिव्यक्ति की, उसके अस्तित्व बोध की, उसकी जीवन यात्रा की, उसके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को एक साथ अभिव्यक्त करने की सबसे सक्षम सशक्त बोली बानी और जीवन की अभिव्यक्ति की सहजता पर सवार गाड़ी का नाम हिंदी है। यह हिंदी किसी एक की नहीं है यह उन सबकी हिंदी है जो हिंदी प्रदेशों की आज जनता है जो जीवन संघर्षों के क्रम में अपनी स्वाभाविक अभिव्यक्ति को भाषा के रूप में सामने लाने का कार्य करते हैं इस क्रम में हिंदी मजदूर, किसान, ड्रॉइवर, वकील, डॉक्टर, शिक्षक और साहित्यकार सब एक साथ हिंदी भाषा के निर्माण में कार्य करते हैं । हिंदी सामाजिक, सांसारिक सांस्कृतिक अर्थ वोध की सक्षम और सशक्त भाषा होने के साथ साथ जीवन व्यवहार की सशक्त अभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत करने के क्रम में - भारतीय जनमानस की आकांक्षा को अभिव्यक्त करने वाली एक ऐसी भाषा है जो अपने साथ अकेले व एकांतिक साहित्यिक प्रयोग को लेकर समर्थ जीवन कौशल को अभिव्यक्त करने की भाषा है। हिंदी भाषा भाषी समाज केवल अपने व्याकरणिक पद को लेकर ही आगे नहीं बढ़ा बल्कि अपनी भाषा के साथ अपनी संस्कृति को, अपने उत्सव को लेकर पूरी दुनिया में एक स्वत्त्व बोध के साथ स्वाभिमान के साथ सामाजिक रूप से जानी जाने वाली भाषा है।

हिंदी भाषा भाषी समूह जहां भी गए अकेले नहीं गये रोजी-रोटी व रोजगार के साथ अपनी संस्कृति और अपने भारत को लेकर गये। इस क्रम में भाषा उन सबकी जीवन अभिव्यक्ति का केंद्र है। भाषा को समर्थ बनाने में कवि कथाकार ही शामिल नहीं होते । इनका कार्य एक तरह से भाषा के समर्थ व सक्षम प्रयोग को सामने रखना होता है - भाषा की चमत्कारिक शक्तियों का प्रयोग कर लेखक जहां भाषा की शक्ति व सामर्थ्य का प्रयोग करता है। वहीं वह समाज जो इस भाषा का भाषिक रूप में सामाजिक सत्ता के रूप में और अर्थ तंत्र के रूप में प्रयोग करते हुए संस्कृति सत्ता की कहानी को भी अभिव्यक्त करने का काम करती है । हिंदी के लोग अपने संघर्ष व आंदोलन को लेकर पूरी दुनिया में भाषिक गति का आज एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि... जब हम दुनिया के किसी भी देश में विश्वविद्यालयों में हिंदी विभाग और हिंदी भाषा के समर्थ प्रयोक्ता के रूप में लोगों को देखते हैं तो वह केवल हिंदी के सामर्थ्य की अभिव्यक्ति नहीं होती बल्कि हिंदी भाषा भाषी समाज के रूप में भारत की पहचान को अभिव्यक्ति देते हैं।

आज हिंदी समाज, हिंदी भाषा भाषी जीवन की अभिव्यक्ति को सशक्त गौरव के रूप में प्रस्तुत करता है। आजादी के बाद से आज तक की जो हिंदी की यात्रा है वह मानव शक्ति की जययात्रा का एक सामाजिक व सांस्कृतिक बोध है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में लेखकों, राजनीतिज्ञों द्वारा लगातार हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकृति देने की आवाज उठायी जा रही थी। वास्तव में हिंदी के लिए यह स्वाभाविक मांग थी। आज हिंदी जिस तरह नेट पर, तकनीकी तरंगों पर, और मोबाइल नेट पर सवार होकर दुनिया के एक केंद्र से दुनिया भर के केंद्रों पर प्रसारित होती जा रही है उस हिंदी को केवल भाषिक प्रयोग, साहित्यिक प्रयोग या भाषा का रूप व्याकरण भर नहीं कहा जा सकता और न ही केवल इसी रूप में परिभाषित करने की जरूरत है। जब यह कहते हैं कि हिंदी भारतीय राष्ट्र की सामाजिक सांस्कृतिक सत्ता बोध की देशज अभिव्यक्ति है जिसमें पूरा देश अपने जन-मन के साथ बोलता है तो बात केवल समझ में ही नहीं आती बल्कि पूरी दुनिया की अर्थनीति बाजार नीति व वैज्ञानिक नीति में सर्व स्वीकृति की सामाजिक भाषा के रूप में जगह बनाने से है। सक्षम व समर्थ होने की अभिव्यक्ति के रूप में एक सशक्त व सक्षम भाषा से हम सब साक्षात्कार करते हैं और आगे बढ़ते हैं।

कविता

शब्द संपदा

एकता कानूनगो बक्षी

संवादों के युद्ध में
शब्दों की उपस्थिति सिपाही
की भांति होती है
जो आख़िर तक लड़ते हैं

शब्द रचते हैं चक्रव्यूह भाषा के मैदान में
विजेता का मुकुट तो हर हाल में
वाक्य के शीश पर धरा जाता है
हार के आँसू भी वाक्य
की आंखों में दिखाई देते हैं।

वाक्यों की क्यारी में
शब्दों के फूल महकते हैं तो
मुस्कुराने लगती है बगिया
शब्द ही हैं जो पिघला देते हैं
जमा हुआ दुख का बर्फ।
शब्द की शक्ति और संघर्ष की कहानी
कहते वाक्यों से इतिहास लिखा जाता है तो
सभ्यता के निशान मिलते हैं
बाद की दुनिया को।
शब्द जब
सार्थक वाक्यों की रचना करते हैं
दुनिया को इंद्रधनुष के रंगों से
और जीवन को खुशियों से
भर देते हैं अच्छे शब्द।

मां हिन्दी भाषा को प्रणाम

लाल बहादुर श्रीवास्तव

हिन्दी भाषा हमारी राष्ट्र भाषा है
जन जन कल्याण की समृद्ध भाषा है
हिन्दी आज भी उतनी सशक्त है
कल भी उतनी सशक्त रहेगी।
हिन्दी भाषा का किसी अन्य भाषा से
न द्वेष है ,न संघर्ष है न लड़ाई है
हिन्दी तो मेल-मिलाप की भाषा है
भारत की सौंधी -सौंधी मिट्टी से
कण- कण इसका प्रसूत है।
आचरण में ,संस्कारों में ,प्रयोग में
हिन्दी में जितनी मधुर मिठास है
उतनी अन्य भाषा में नहीं है
एक शब्द के अनेक सुंदर भव्य भाव
हिन्दी का शब्द- शब्द हृदयस्पर्शी है।
हिन्दी बोलचाल की भाषा संग- संग
जन -जन की सुविधा संचार भाषा है
हिन्दी तो रोम -रोम में सबके
ईश्वर की तरह समाने वाली
मां की गोद में अठखेलियां करने वाली
बोलने ,समझने वाली सहज समर्थ भाषा है।
हिन्दी के हम सब हिन्दी भाषी बेटे
हम सब पर यह दायित्व भाषा बोध हो
हिन्दी के सम्मान में पल पल प्रतिपल समर्पित
बस मां हिन्दी भाषा को प्रणाम हो।

यह भाषा अपनी है

कमलेश कुमार दीवान

हिंदी के गीत लिखे, हिंदी के मीत दिखें
प्रीति करें हिन्दी से यह भाषा अपनी है
यह भाषा अपनी है।
आज नमस्ते का युग आया है हिंदी से
विश्व कह रहा प्रणाम वह भाषा हिन्दी से
यह भाषा है पुनीत,गाओ हिंदी के गीत
विश्व में सजगता है हम भी जाएंगे जीत
भारत का भाव बने , वैश्विक अनुराग बने
आओ मिलजुल कर हम हिंदी का बाग बनें
भाषाएं सब जाने,हम हिंदी को अपनाएं
गीत गाएं हिंदी के,हम हिंदी में बतियायें
रचना हों हिंदी में अभिलाषा अपनी है
हिंदी हैं, हिंदी हो यह आशा भी अपनी है
यह भाषा अपनी है।

हिंदी का उजियाला

प्रो. डॉ. वंदना अग्निहोत्री

संस्कृत का तत्सम,तद्भव रूप है हिंदी
वेद- पुराणों का ज्ञान देती है हिंदी
गीता का कर्मयोग बताती है हिंदी
ब्रह्म का दिया वरदान है हिंदी
वीणावादिनी का सम्मान है हिंदी
मराठी, गुजराती सबकी सखी है हिंदी
पंजाब का गौरवगान है हिंदी
ममत्व, स्नेह का आँचल है हिंदी
दया, करुणा का सागर है हिंदी
भारतीय माटी की सुगंध है हिंदी
गंगा जमुना जैसी पवित्र है हिंदी
सोने की स्वर्णिम आभा वाली है हिंदी
चांदी की झिलमिलाती रूपाभ है हिंदी
निस्सीम गगन में तारों का
उजियाला है हिंदी
विश्व में चारों ओर फैली है हिंदी
जय हिंद जय हिंदी।

हिंदी दिवस विशेष

केदार शर्मा

भई गति सांप छछूंदर केरी

रामचरित मानस में क्या खूब कहा है तुलसी बाबा ने। उनको भी पता नहीं था कि यह लोकोक्ति किसी कालखण्ड में आर्यावृत्त में अंग्रेजी भाषा के संदर्भ में सटीक सिद्ध हो जाएगी। इस अंग्रेजी रूपी छछूंदर को यह भरतखण्ड न तो पूरी तरह निगलने की स्थिति में है और न ही पूरी तरह उगलने के। अगर उगलता है तो काले अंग्रेज नहा-धोकर पीछे पड़ते हैं,कहते हैं- ''अंतरराष्ट्रीय भाषा है। तकनीक,चिकित्सा और अभियांत्रिकी का सारा ज्ञान इसमें समाहित है। देश विकास की दौड़ में पिछड़ जाएगा इत्यादि।''

अब इनको कौन समझाए कि चीन और जापान जैसे देश बिना अंग्रेजी भाषा के भी काफी विकसित देश हैं। कारण साफ है कि उनमें अपनी भाषाओं के प्रति गर्व और लगाव है,जो अपनी भाषा को सीखने और समृद्ध करने के लिए प्रेरित करता है। दुनिया के सारे ज्ञान-विज्ञान को उन्होंने अपनी भाषा में सरल बनाकर रूपांतरित किया है। इसीलिए अब वे अंग्रेजी या किसी दूसरी भाषा के मोहताज नहीं है। अब हम हैं कि चिकित्सा,प्रोद्योगिकी,और सूचना तकनीक के ज्ञान को न तो सरल भाषा में अनुवाद कर रहे हैं और इसीलिए न अंग्रेजी भाषा को उगल पा रहे हैं। हालांकि इस दिशा में काम हुआ भी है पर इतना पर्याप्त नहीं कि आत्मनिर्भर हो सकें। उच्च शिक्षा के सारे पाठ्यक्रम अंग्रेजी में है। इसीलिए नत्थू से लेकर मत्थू तक अपने सपूतों को अंग्रेजी सिखाने की जुगत में लगा हैं। सरकार पहली कक्षा से अंग्रेजी चला रही है। केन्द्र और राज्य की सरकारें खुद अंग्रेजी माध्यम में पाठ्यक्रम संचालित किए हुए है। पब्लिक और कॉन्वेंट स्कूल दोनो हाथों से पैसा लूट रहे हैं।

चलो साहब, अंग्रेजी भाषा को उगलने में खतरा-ए-जान है तो पूरी तरह से निगल लें। बेचारे साँप को चैन तो मिले। सब जानते हैं भाषा वही जीवित बचती है जो आपसी संवाद या बोलचाल में काम आती है। उत्तरी और मध्य भारत की बात करें तो हिन्दी दूसरी भाषा है। आपसी संवाद और बातचीत के लिए क्षेत्रीय बोलियों या उपभाषाओं का प्रयोग होता है। वास्तविक धरातल पर अंग्रेजी वहाँ तीसरी भाषा है। यही कारण है कि पहली कक्षा से अंग्रेजी चलाए जाने और संपूर्ण अंग्रेजी में एक पृष्ठ निबंध लिखना उनके दुष्कर कार्य है। मजे की बात यह है कि जिसको न तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार में संलग्न होना है न ही किसी से अंग्रेजी में संवाद करने की संभावना है उनको भी अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम में अंग्रेजी सीखने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है तनाव झेलना पड़ता है। यदि कदाचित वह धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने में कुशल हो भी जाता है तो वह अपने आसपास के परिवेश में संवाद करे तो

प्रयासों के बावजूद एक अंग्रेजी में मास्टर और बेचलर डिग्रीधारी विद्यार्थी भी धाराप्रवाह संवाद नहीं कर पाता। रोजमर्रा के व्यवहार में काम नहीं आने के कारण अंग्रेजी शब्दावली उसके मस्तिष्क में जड़े नहीं जमा सकी है। हालाकि अनेक संज्ञा और विशेषण शब्दों ने हिन्दी शब्दों को विस्थापित कर उनका स्थायी स्थान ले लिया है। इसे यूँ भी कह सकते है कि कई हिन्दी शब्द खो गए है और उनके स्थान पर अंग्रेजी शब्द चलन में आ गए हैं। परंतु क्रिया शब्दों के चलन में नहीं आने के कारण वाक्य प्रचलित नहीं हो पाएं हैं,और हिन्दी बची हुई है। यही कारण है अधिकतर विद्यार्थी रटकर या और किसी तकनीक से उत्तीर्ण होते जाते है पर किसी विषय पर किससे करे ?

निष्कर्ष रूप में कहें तो आवश्यकता इस बात की है कि अंग्रेजी सीखना ऐच्छिक होना चाहिए। जिसे भविष्य में अंग्रेजी के उपयोग की आवश्यकता हो वह अन्य अंतरराष्ट्रीय भाषाओं की तरह अंग्रेजी को भी सीखकर लाभान्वित हो सकता है। परंतु सबको एक ही डंडे से हाँकना विवेकोचित नहीं हो सकता। उच्च शिक्षा के चिकित्सा,सूचना तकनीक, अभियांत्रिकी एवं अन्य पाठ्यक्रमों को सरल हिंदी में रूपांतरित किए बिना अंग्रेजी से मुक्ति मिलना कठिन है और संवाद की भाषा बनाए बिना उसे समाहित करना और भी मुश्किल है। कबीर के शब्दों में कहें तो दो पाटन में बीच में साबुत बचा न कोई।

हमारी संस्कृति का पर्याय है हिंदी

हिंदी दिवस पर विशेष

सुसंस्कृति परिहार

हिंदी दिवस पर अमूनन हिंदी के विकास की चर्चाओं का ज़ोर रहता है। हिंदी के रचनाकारों का सम्मान होता है ख़ासकर उनका जो अहिंदी भाषी होते हैं और हिंदी में लेखन कार्य करके इसे बढ़ावा देते हैं ।देखा जाए तो यह एक महत्वपूर्ण कार्य है क्योंकि देश में अभी भी इसे राष्ट्रभाषा का पूर्ण दर्जा नहीं मिल सका है। वह सहभाषा के रुप में काम करती है वजह बिल्कुल साफ़ है इस बावत यदि हम सोचें तो पाते हैं कि हिंदी किसी भी प्रांत की या क्षेत्र की भाषा थी ही नहीं इसका निर्माण काल भारतेंदु युग से शुरू हुआ, और धीरे-धीरे इसका विकास हो रहा है। दूसरी बात ये कि देववाणी संस्कृत से यह बहुत दूर की भाषा है जबकि दक्षिण की तमाम प्रांतीय भाषाएं संस्कृत के काफी निकट की हैं। हिंदी का तो इससे बहुत दूर का नाता है जबकि हिंदी उर्दू ,फारसी के यह करीब की है।

जब नवीनतम हिंदी भाषा का प्रारंभ हुआ तो उसमें आंचलिक भाषा मसलन अवधी और ब्रज भाषा के शब्द बहुलता से आए। बुंदेली को भी इसमें घुसपैठ का अवसर मिला कुछ शब्द जस के तस आ गए और कुछ को अल्प संशोधन सहित स्वीकारिता मिली। कारण यही था हिंदी में नए शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया चल रही थी। छायावाद ही वह काल था जब हिंदी का पर्याप्त विकास देखने को मिल जाता है ,कविता को सजाने संवारने के लिए नए शब्द गढ़े गए और इसमें पहली बार तत्सम शब्दों का इस्तेमाल हुआ। जनसाधारण के लिए कविता दुरुह होती गई यहां तक कि शब्दों को समझाने की जरूरत पड़ने लगी। महादेवी, जयशंकर प्रसाद,निराला,पंत ने हिंदी में खूब लिखा और हिंदी साहित्य भरपूर हो गया इससे पहिले ना हिंदी थी और ना कोई कवि।

लेकिन दूसरी तरफ तत्सम शब्दों से हिंदी बोझिल होती गई क्योंकि तब भी जनमानस में ही नहीं बल्कि प्रशासनिक केन्द्रों में उर्दू,फारसी के शब्द धड़ल्ले से चल रहे थे फलतः इन भाषाओं के शब्द भी बहुतायत से हिंदी भाषा में स्वीकार्य हो गए जैसे आज अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने अनेकानेक अंग्रेजी, मंदारिन के शब्द हिन्दी में सम्मान के साथ ले लिए गए हैं इन तमाम शब्दों के तालमेल से हिंदी का सहज सरल रूप लोकप्रिय हो गया। इस जनप्रिय हिंदी के आते ही अभिव्यक्ति आसान हुई जिससे लेखकों कवियों की संख्या भी बढ़नी शुरू हो गई।

कहने का आशय यह है कि हिंदी का विकास भारतीय संस्कृति की तरह ही हो रहा है।जैसे हमारी संस्कृति में चारों दिशाओं से आई संस्कृतियों का अद्भुत समागम हुआ है। किसी से हमने परहेज नहीं की ठीक उसी तरह हिंदी के निर्माण में प्रांतीय भाषाओं एवं आंचलिक शब्दों के साथ , संस्कृत, अरबी ,फारसी, उर्दू अंग्रेजी, इटालियन,जापानी और मंदारिन के शब्दों को भी आत्मसात कर इसे ना केवल विस्तार दिया बल्कि इसने विदेशियों को भी आकर्षित किया। आज तो विभिन्न मुल्कों से होने वाले व्यापार ने इसे अंगीकार कर भरपूर प्रचार का माध्यम भी बनाया है यह हिंदी की व्यापकता उसे अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिला सकने में समर्थ होगी ।

हिंदी का यह उत्तरोत्तर विकास हिन्दी के कतिपय शुद्धता वादियों को नापसंद है । वे इस घालमेल को स्वीकारने में परहेज करते हैं । वे सिर्फ संस्कृत के तत्सम शब्दों के सिवा हिंदी में आ रहे अन्य शब्दों से घृणा करते हैं। जबकि हम पूर्ववत यह जान ही चुके हैं कि संस्कृत से हिंदी का दूर दूर तक कोई नाता नहीं है। ऐसी हिंदी छायावाद में समृद्ध होकर धराशायी हो गई तब फिर हिंदी ने जन जन में व्याप्त भाषा और बोलियों से जुड़कर विकास की रफ्तार पकड़ी है। साहित्य में भी यह भरपूर उपयोग हो रही है ।

उर्दू का विकास भी ठीक इसी तरह आयातित और देशज शब्दों से हुआ है उर्दू, हिंदी से पहले चलन में आई इसलिए उसे हिंदी की बड़ी बहन माना जाता है। भारतीय संस्कृति के तमाम रंग उर्दू और हिंदी साहित्य में मौजूद हैं। हिंदी दिवस पर इसे हिंदू या सनातन से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यदि हम भारतीय संस्कृति को अपना मानते हैं तो संस्कृति की एक धरोहर के रूप में हिंदी को सम्मान देना चाहिए ।इसे और विस्तार दें ताकि हिंदी ना केवल राष्टभाषा का दर्जा पाए बल्कि दुनिया की महत्वपूर्ण भाषा भी बन सके। फिलहाल यह तय है कि हिंदुस्तान की नंबर वन आबादी इसे मंदारिन से आगे पहुंचाएगी।वह स्वाभाविक तौर पर अपनी मिलनसारिता की वजह से निरंतर अविरल गति से प्रवाहमान है। उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं पाएगा।

हिंदी दिवस पर विशेष

नलिन खोईवाल

नई शिक्षा नीति और राजभाषा हिंदी का महत्व

भाषा ही संस्कार है,आचार-विचार है,सपनों का निखार है और इरादें ऊँचे हो तो मुट्ठी में आसमान है।भाषा किसी भी देश की पहचान और हमारी सभ्यता-संस्कृति का प्रतिबिंब होती हैं । कोई भी व्यक्ति खूबसूरत अभिव्यक्ति केवल और केवल अपनी भाषा में ही कर सकता है किसी अन्य भाषा में नही। यानि कि अपनी भाषा के बिना सब कुछ निरर्थक है । सीधे शब्दों में कहा जाए तो निज भाषा के बिना उन्नति नहीं है ।

शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार लाने हेतु चौंतीस साल बाद भारत में नई शिक्षा नीति की अवधारणा का प्रादुर्भाव हुआ। ऐसे क़यास लगाए जा रहे हैं कि इस नीति से हिंदी भाषा को बढ़ावा तो मिलेगा ही साथ ही हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग भी प्रशस्त होगा । वैसे हिंदी को वैश्विक भाषा और बाज़ार की महारानी निरूपित किया जाता रहा है और यह सौ फीसद सही भी है।इस शिक्षा नीति में त्रिभाषा फ़ार्मूला चलेगा इसमें हिंदी,संस्कृत के साथ अपनी पसंद की एक क्षेत्रीय भाषा को भी चुनने का विकल्प रहेगा और पाँचवीं कक्षा तक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा ही पढ़ाई का मुख्य माध्यम बनेंगी ।

यानि कि किसी पर कोई भाषा जबरन थोपी नहीं जाएगी । वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अंग्रेज़ी भाषा की ओर लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा है । जिसका मुख्य कारण प्रशासनिक सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी भाषा की बजाए अंग्रेज़ी भाषा को तरजीह देना है।

आधुनिक काल के कवि भारतेंदु हरिश्चन्द्र द्वारा रचित प्रसिद्ध कविता 'मातृभाषा के प्रति' में उन्होंने कहा है कि,

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।
अंग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन,
पै निज भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन ।
उन्नति पूरी है तबहिं जब घर उन्नति होय,
निज शरीर उन्नति किये, रहत मूढ़ सब कोय ।
और एक अति लाभ यह, या में प्रगट लखात,
निज भाषा में कीजिए, जो विद्या की बात ।

यानि कि हम अंग्रेजी पढ़कर प्रवीण तो हो जाएँगे किंतु सांस्कृतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से दीन

ही रहेंगे। भारत में सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता,यश और वैभव की स्थापना केवल और केवल मातृभाषा की शिक्षा में ही निहित है किसी अन्य भाषा में नहीं । बिना मातृभाषा के उन्नति,ज्ञान,ध्यान और अध्ययन सब व्यर्थ ही है।

आश्चर्य की बात है कि हमारे देश में एक व्यक्ति ताउम्र इसलिए पदोन्नति नहीं लेता है क्योंकि उसे अंग्रेजी नहीं आती है। यह हीनमानसिकता हमें त्यागनी होगी तभी हमारा और हमारी भाषा का कुछ भला हो सकेगा । यदि अंग्रेजी का अनाधिकृत आधिपत्य समाप्त करना है तो हमें हमारी भाषा को सम्मान देना ही होगा। शिक्षा को ज्ञानपरखता के साथ-साथ रोज़गारोन्मुखी भी बनाया जाए जिससे कि पढ़ाई के बाद काम की चिंता से मुक्ति मिल सकें ।

हमारे लिए यह एक सुखद आश्चर्य है कि टोक्यो ओलम्पिक में पहली बार हिंदी कॉमेंट्री की व्यवस्था की गई । हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा संसद में दिए गए सारे भाषण हिंदी में ही है । और यहा तक कि यूनेस्को द्वारा भाषाई विविधता को बढ़ावा देने और उनके संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की शुरुआत एक शुभ संकेत ही माना जाएगा और यह भाषा के उन्नयन में मील के पत्थर का ही काम करेगा । घोषित नई शिक्षा नीति व्यावहारिक दृष्टिकोण और हर लिहाज से श्रेष्ठकर परिलक्षित होती है और क्षेत्रीय भाषाओं सहित बोलियों की बड़ी माँ हिंदी की किश्ती को साहिल तक पहुँचाने में भी सक्षम दिखती है और जो भी इस किश्ती की सवारी करेगा वह भी निश्चित ही अपनी मंजिल तक पहुँच जाएगा । भाषाओं की वाटिका में हिंदी ही एक ऐसा पुष्प है जिसकी खुशबू से चहुं दिशाएँ महक उठेगी । केवल हिंदी में ही वो सामर्थ्य है कि वह अकेली ही समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोंकर रख सकती है और बाकी अन्य क्षेत्रीय भाषाएँ उसकी सहोदर बनकर उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहें । क्षेत्रीय भाषाएँ बहता हुआ दरिया है तो हिंदी महासागर है और गागर - गागर से ही महासागर बनता है और नदियों के बिना सागर निष्प्राण ही है।

बैतूल में भाजपा तो आठनेर में कांग्रेस प्रत्याशी जीता

गांधी वार्ड में भाजपा के वरुण धोटे ने 609 वोट के अंतर से बड़ी जीत की दर्ज

बैतूल। नगर पालिका बैतूल के गांधी वार्ड में हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी वरुण धोटे ने कांग्रेस के मनोज शर्मा को रिकॉर्ड 609 मतों के अंतर से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। तो वहीं आठनेर के भवानी वार्ड में हुए पार्षद पद उपचुनाव में कांग्रेस की किरण सावरकर ने भाजपा के मनोज तुमाने को 28 वोट से हराया है। बैतूल और आठनेर में पार्षद का चुनाव 11 सितंबर को हुआ था। आज शुक्रवार को चुनाव के

परिणाम आए है, जिसमें बैतूल में भाजपा तो आठनेर में कांग्रेस का प्रत्याशी जीता है। भाजपा के मैनेजमेंट गुरु एवं बैतूल विधायक हेमन्त खण्डेलवाल की सफल रणनीति का ही नतीजा है कि भाजपा ने कांग्रेस से यह सीट छीनकर अपने खाते में डाल लीं है। हालांकि जिस तरह से भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने पूरी ताकत गांधी वार्ड में लगाई थी उसे देखकर यह अंदाजा लगाना काफी मुश्किल था कि भाजपा के प्रत्याशी वरुण धोटे को बड़ी जीत मिल पाएगी।

बैतूल और आठनेर दोनों परिषदों में प्रत्याशियों के निधन के बाद यह सीट रिक्त हुई थी। बैतूल के गांधी वार्ड में कांग्रेस के पार्षद रहे राजकुमार यादव के निधन के बाद यह पद खाली हुआ था। यह उपचुनाव भाजपा और कांग्रेस की प्रतिष्ठा बनी हुई थी। इसी वजह से विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं भाजपा के तमाम दिग्गजों ने प्रचार किया और कांग्रेस की ओर से जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, पूर्व विधायक निलय डागा और अन्य दिग्गजों ने मोर्चा संभाला।

इसके बाद पूरे शहर की निगाहें यहां उपचुनाव पर लगी हुई थीं। 11 सितंबर को गांधी वार्ड के उप चुनाव में मतदान हुआ था। शुक्रवार जब परिणाम आए तो भाजपा के वरुण धोटे ने कांग्रेस के मनोज शर्मा को 609 वोट से शिकस्त देकर यह सीट कांग्रेस से छीन ली। वरुण को 1049 वोट मिले, जबकि मनोज शर्मा को 440 ही वोट मिले, वहीं यहां निर्दलीय सोनू उइके ने भी 135 वोट हासिल कर अपनी उपस्थिती दर्ज करवाई, इसके अलावा 7 मतदाताओं ने नोटा का उपयोग किया। यहां 11 सितंबर को हुए मतदान में 2406 में से 1631 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसके साथ ही बैतूल नगरपालिका के 33 वार्डों में अब कांग्रेस से पार्षद पद की सीट छीनकर भाजपा ने अपने पार्षदों की संख्या बढ़ाकर 24 कर ली है।

आठनेर में कांग्रेस की प्रत्याशी किरण सावरकर 28 वोट से जीती- वहीं 13 सितंबर शुक्रवार को कन्या हाईस्कूल परिसर के स्ट्रॉन्ग रूम में नगर परिषद आठनेर के भवानी वार्ड में पार्षद उपचुनाव के लिए मतगणना हुई। कांग्रेस पार्टी की किरण सावरकर ने भाजपा के मनोज तुमाने को 28 वोटों से शिकस्त दी। नोटा को 5, निर्दलीय को 2 वोट मिले। निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक भाजपा प्रत्याशी मनोज तुमाने को 166 वोट, कांग्रेस की किरण सावरकर को 194 वोट , नोटा 5 वोट, निर्दलीय 2 वोट मिले हैं। यहां भाजपा को 28 वोट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं कांग्रेस के लिए यह राहत भरी बात रही;

विधायक हेमंत खंडेलवाल को मिली नई जिम्मेदारी

विधायक दल कार्यकारिणी के बनाए गए कोषाध्यक्ष

बैतूल। भाजपा के वरिष्ठ नेता एक बार के सांसद और दूसरी बार बैतूल के विधायक बने हेमंत खण्डेलवाल को पार्टी ने नई जिम्मेदारी के रूप में विधायक दल कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष बनाया है। भाजपा विधायक दल कार्यकारिणी गठन किया गया, जिसमें दल के नेता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हैं। उपनेता ओमप्रकाश धुर्वे, मुख्य सचेतक मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महामंत्री शैलेंद्र जैन, सचेतक श्रीमती रीति पाठक, रामेश्वर शर्मा, मंत्री हरिशंकर खटीक, संजय सत्येंद्र पाठक और कोषाध्यक्ष हेमंत विजय खण्डेलवाल बनाए गए हैं। गौरतलब है कि श्री खण्डेलवाल संगठन में विभिन्न पदों पर अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्हें पहले प्रदेश भाजपा का कोषाध्यक्ष भी बनाया जा चुका है। इसके अलावा पार्टी ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में कुशाभाऊ ठाकरे न्यास का अध्यक्ष भी बनाया है।

गड्ढे भरवाने में पीडब्ल्यूडी आगे, नपा बैतूल काफी पीछे

बारिश से सड़कों पर हुए गड्ढों से नागरिकों को हो रही परेशानी

बैतूल। बारिश ने अच्छी-अच्छी सड़कों के निर्माण कार्य की पोल खोल दी है और सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जो नागरिकों के लिए मुसीबत बन गए हैं। इन गड्ढों के कारण कई दुर्घटनाएं भी घटित हो गई हैं और नागरिक इसमें घायल भी हुए हैं। शहर में नगर पालिका और लोक निर्माण विभाग दोनों की सड़कें हैं। दोनों विभागों की सड़कों में गड्ढे होने से इनके निर्माण

कार्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों ने दोनों विभाग के प्रति नाराजगी भी जताई है। हालांकि सड़कों पर हुए गड्ढों को लेकर लोक निर्माण विभाग थोड़ा गंभीर दिखाई दे रहा है क्योंकि पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर गड्ढे भरने का कार्य शुरू हो गया है। नगर पालिका की सड़कों पर गड्ढे भरने को लेकर कोई ठोस कार्यवाही होती नजर नहीं आ रही है।

पीडब्ल्यूडी ने भरवाए गड्ढे- लोक निर्माण विभाग की कार्यपालन यंत्री प्रीति पटेल से सांध्य दैनिक खबरवाणी ने चर्चा की तो उन्होंने बताया कि बारिश के कारण सड़क पर गड्ढे हो गए थे। इसको लेकर जिले के सभी पांच डिवीजन में 12 सड़कों को चयनित कर वहां के गड्ढे भरवाने का कार्य शुरू हो गया है। फिलहाल इन गड्ढों को कांक्रीट डालकर भरा जा रहा है, यह वैकल्पिक व्यवस्था है। बारिश के बाद इन पर डामरीकरण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि गाड़ाघाट रोड को नए सिरे से बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा बारिश के चलते जहां भी नए गड्ढे हो रहे हैं उनको भी तत्काल भरा जाएगा।

नपा ने नहीं भरवाए गड्ढे- पीडब्ल्यूडी ने जहां चौपाटी मार्ग सहित विभाग की शहर में स्थित सड़कों पर हुए गड्ढों को कांक्रीट डालकर भरवाया है। तो वहीं बैतूल नगर पालिका की गारंटी में बनाई गई सड़कों के गड्ढों को भरवाने के लिए गिट्टी डालकर औपचारिकता की जाती है। नपा इन गड्ढों को अभी तक स्थायी रूप से नहीं भरवा पाई है। थाना चौक से लल्ली चौक सहित नगर पालिका की अन्य कई सड़कों पर गड्ढों होने और उसमें पानी भरने से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। नपा सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया का कहना है कि संबंधित ठेकेदारों से बात हो गई है और बारिश बंद होते ही गड्ढे भरवाए जाएंगे। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में नपा फिलहाल अच्छे से गड्ढे भरवाने का कार्य शुरू करवाने वाली है।

चिचोली में 9 करोड़ 95 लाख की लागत से बनेगा नया अस्पताल

बैतूल। चिचोली में 9 करोड़ 95 लाख की लागत से नया अस्पताल बनने जा रहा है। लंबे समय से नए अस्पताल को लेकर मांग की जा रही है। क्योंकि पुराना भवन बेहद जर्जर हो गया है। पुराने भवन में व्यवस्थाओं की भी कमी है। यहां पर 30 बिस्तरों का ही अस्पताल है, जिससे स्टाफ और मरीजों के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिलती है। विधायक गंगाबाई के अथक प्रयास से अब नए अस्पताल के लिए स्वीकृति मिल गई हैं। यह भवन 9 करोड़ 95 लाख की लागत से नए अस्पताल का निर्माण

होगा। नए भवन बनाने की स्वीकृति के लिए स्टाफ ने भी आंदोलन किए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन के लिए प्रशासन के द्वारा स्वीकृति मिलने पर इसको बनाने की जिम्मेदारी पुलिस आवास निगम को दी गई है। नए भवन की स्वीकृति से अब सीएचसी के पुराने भवन से छुटकारा मिल जाएगा। यह भवन करीब 35 साल पुराना है। यह काफी जर्जर हो गया है, और इसमें पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं है। घोड़ाडोंगरी विधायक गंगाबाई ने पिछले कुछ दिनों पहले करीब 28 जून को मंत्री राजेंद्र शुक्ल को नए अस्पताल बनाने की मांग के चलते एक पत्र लिखा था। साथ ही उन्होंने पर्याप्त स्टाफ और मरीजों की व्यवस्था में कमी की पूर्ति के लिए भी कहा था। कांग्रेस ने पिछले कुछ दिनों पहले नए अस्पताल बनाने को लेकर प्रदर्शन और चक्काजाम भी किया था। अब जब स्वीकृति मिल गई है तो लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिल हैं।

सेवा नियमों में शिथिलता प्रदान करने की मांग

को-ऑपरेटिव सोसायटी कर्मचारी संघ ने जिला पंजीयक को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। को-ऑपरेटिव सोसायटी कर्मचारी संघ बैतूल ने मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी सेवा नियमों में शिथिलता प्रदान करने की मांग को लेकर जिला पंजीयक के माध्यम से आयुक्त, सहकारी संस्थाएं, भोपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ के प्रतिनिधियों की विस्तृत चर्चा जिला पंजीयक से हुई, उन्होंने कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। कोऑपरेटिव सोसायटी कर्मचारी संघ बैतूल और मध्यप्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ, भोपाल ने कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को लेकर कई बार शासन और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि, आज तक उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है। संघ ने ज्ञापन में प्रमुख मांगों में 60 प्रतिशत पदोन्नति भर्ती प्रक्रिया का मुद्दा उठाया है। वे चाहते हैं कि 2013 में लागू संशोधित सेवा नियमों से पहले भर्ती हुए सभी कर्मचारियों को बिना शर्त वैध माना जाए और इस भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण रोस्टर को शिथिलता दी जाए।

अनारक्षित वर्ग से अनुभव के आधार पर पद भरने की मांग- संघ ने यह भी कहा है कि जहां आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार नहीं हैं, वहां अनारक्षित वर्ग के

उम्मीदवारों को अनुभव के आधार पर नियुक्त किया जाए। इसके अलावा, कोरोना काल के दौरान वितरित ऑफलाइन खाद्यान्न वितरण की राशि को वापस किया जाए, जो समितियों के कमीशन से काटी गई थी। को-ऑपरेटिव सोसायटी कर्मचारी संघ ने ज्ञापन में यह भी मांग की कि विभागीय कार्यवाहियों पर रोक लगाई जाए, ताकि कर्मचारियों में भय का माहौल न बने। संघ ने कहा कि यह जरूरी है कि कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा हो, जिससे वे भविष्य में और बेहतर सेवाएं दे सकें। संघ ने प्रशासन से सादर निवेदन किया है कि उनकी न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए और जल्द से जल्द आदेश प्रसारित किए जाएं। इससे कर्मचारियों को राहत मिलेगी और वे अपने कार्यों में अधिक उत्साह से योगदान कर सकेंगे। ज्ञापन देने वालों में कोऑपरेटिव सोसाइटी कर्मचारी संघ बैतूल अध्यक्ष अशोक देशमुख, उपाध्यक्ष धनेश्वर काले, शंकर पारखे, हरीराम पाटनकर,सचिव नरेन्द्र आर्य, शिवशंकर पवॉर, कोषाध्यक्ष चन्द्रशेखर पंडाग्रे, मीडिया प्रभारी योगेश गढ़ेकर, धर्मराज उघड़े, सह-सदस्य संजय भिकोंडे, प्रदीप मालवीय, महेश पवार, सुनील पवॉर, बलीराम यादव उपस्थित थे।

किसानों की विभिन्न समस्या को लेकर किसान सत्याग्रह

सोयाबीन, धान, मक्का, गेहूं का समर्थन मूल्य घोषित हो, खराब फसल का किसानों को मिले मुआवजा

बैतूल/मुलताई। बस स्टैंड मुलताई पर स्थित किसान स्तंभ पर किसान संघर्ष समिति द्वारा सोयाबीन, धान, मक्का , गेहूं, चना तथा गन्ने का प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित करने, अतिवृष्टि और जानवरों से नष्ट हुई फसलों का सर्वे कराकर राजस्व मुआवजा और फसल बीमा का भुगतान करने, बन्द मंडियों को शुरू करने आदि मांगों को लेकर किसान सत्याग्रह शुरू किया गया। किसान सत्याग्रह में पहुंचे विभिन्न ग्रामों के किसानों ने कहा कि 10 साल पहले के भाव पर सोयाबीन की खरीद हो रही है जबकि खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और मजदूरी दोगुनी हो गई है।

किसानों ने कहा कि अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल खराब हो गई है, फलियां बहुत ही कम लगी है जिससे लागत भी नही निकल पा रही है। क्षेत्र में अतिवृष्टि से सब्जी की फसल भी पूरी तरह खराब हो गई है। डॉ सुनीलम ने कहा कि प्रदेश में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संगठनों ने जब से सोयाबीन के दाम बढ़ाने का आंदोलन शुरू किया है तब से सोयाबीन के भाव में 400-500 रूपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है। सरकार को भी 40 साल बाद एम एस पी देने का खयाल आया है लेकिन किसानों के उत्पादन का केवल 40 प्रतिशत ही खरीदना सरकार का अपराधपूर्ण फैसला है। सरकार को किसानों के द्वारा पैदा किए गए अनाज का एक एक दाना खरीदना चाहिए। एड आराधना भार्गव ने कहा कि सरकारें पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। किसानों की आत्महत्याएं लगातार बढ़ रही है क्योंकि सरकार ने किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने की नीतियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू नही किया गया। किसान सत्याग्रह में रग्घू कोड़ले, शिवलू पटेल, बिनोदी महाजन, डखरू महाजन, सीताराम नरवरे, अनिल सोनी, दिलवर सिंह, मुकेश सिंह, दुरवन सिंह , शिवदयाल बनखेड़े, डॉ चंद्रशेखर नागले, भरत चौरे, बाबूलाल हारोड़े, लक्ष्मण परिहार मूलचंद सोनी, तीरथ सिंह, सुदामा सिंह, लखनसिंह, दीपक पवार, कैलाश सिंह,चैन सिंह, संतोष सिंह,मलखान सिंह,गोलू सिंह, जीवन सिंह, रघुवीर सिंह, मारोती खौसे, मोतीराम चौहान, हुकुमचंद हारोड़े, शत्रुघन यादव, भागवत परिहार सहित सैकड़ों किसान शामिल हुए।

गौठाना के बाद गंज को ट्रेंचिंग ग्राउंड की सौगात

- **स्वच्छ बैतूल का इरादा कर लिया है..!**

बैतूल। ग्रीन सिटी बैतूल इन दिनों अपनी आबो हवा, हरियाली और खूबसूरती की बजाय नगर पालिका की कार गुजारियों की वजह से चर्चा में है। शहर की सड़के चीख चीख कर भ्रष्टाचार की कहानी कह रही है और गंदगी के अंबार नगर पालिका के स्वच्छ भारत अभियान की पोल खोल रहे है। आलम यह है कि आने जाने वाले रास्ते ट्रेंचिग ग्राउंड का अनुभव करा रहे है। इसकी बानगी गंज क्षेत्र में बने सुलभ कॉम्प्लेक्स के पास देखी जा सकती है। शहर के व्यापारिक एवं व्यवसायिक केंद्र कहाने वाले बैतूलगंज में गंदगी के अंबार पर नगर पालिका बैतूल का जिम्मेदार अमला मौन है। आम रास्ता पूरी तरह से कचरे से पट गया है जिसे देखकर लोग कहने लगे है कि नगर पालिका वर्षो से ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए परेशान है, लेकिन इस समस्या का हल निकालते हुए अब ट्रेंचिग ग्राउंड की सौगात बैतूलगंज वासियों को दी है।

इनका कहना-

टीम को मौके पर भेजा गया है। सफाई करवाई जा रही है। क्षेत्र में प्रतिदिन कचरा संग्रह करने वाहन जाता है, बावजूद इसके कुछ लोग रात में कचरा फेंकते है, अब ऐसे लोगों को चिन्हित कर जुर्माना भी किया जाएगा।

-संतोष धनेलिया,
स्वच्छता निरीक्षक नपा, बैतूल

नेशनल लोक अदालत में आज लगेगा न्याय का मेला, बकाया राशि में मिलेगी राहत

मोटर दुर्घटना दावों के निपटारे के लिए विशेष प्री-सिटिंग बैठक संपन्न

बैतूल। जिला न्यायालय बैतूल में आज 14 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में बिजली उपभोक्ताओं और मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावेदारों को बड़ी राहत मिलने वाली है। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर में यह अदालत सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ होगी। मोटर दुर्घटना और क्षतिपूर्ति के मामलों में पूर्व में आयोजित प्री-सिटिंग बैठक में शुक्रवार 13 सितंबर को बीमा कंपनियों के अधिवक्ता और क्लेमेंट के वकीलों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सचिव जिला प्राधिकरण डॉ. कु. महजबीन खान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमंत यादव सहित बीमा कंपनी के पैनल अधिवक्ता एवं अधिकारी मौजूद रहे।

मोटर दुर्घटना मामलों में होगी सुलह - प्री-सिटिंग बैठक के दौरान न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों और बीमा कंपनियों के बीच समझौता कराकर मामलों को तेजी से निपटाने का प्रयास किया जाएगा। इसके तहत मोटर दुर्घटना से जुड़े दावे भी निपटाए जाएंगे

ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके।

बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी बड़ी राहत - नेशनल लोक अदालत के दौरान बिजली उपभोक्ताओं के लिए भी राहत की घोषणा की गई है। विद्युत विभाग द्वारा प्रेलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए उपभोक्ताओं को विभिन्न छूट प्रदान की जा रही हैं।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 और 135 के तहत लंबित मामलों में निम्नदाब श्रेणी के सभी घरेलू, कृषि और छोटे उद्योगों को राहत मिलेगी। इसके तहत कंपनी द्वारा निर्धारित सिविल देयताओं पर 30 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। साथ ही, ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

पूर्व में लाभ प्राप्त उपभोक्ता छूट के पात्र नहीं

वहीं, बिजली चोरी या अनाधिकृत उपयोग के मामलों में पहली बार गलती करने वाले उपभोक्ताओं को ही छूट का लाभ मिलेगा। पहले से लोक अदालत या अन्य अदालतों में छूट प्राप्त उपभोक्ता इस बार छूट के पात्र नहीं होंगे। जिला प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि छूट केवल 50 हजार रुपये तक के मामलों पर ही दी जाएगी।
उपभोक्ताओं को देय बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। अगर उपभोक्ता का अन्य संयोजनों पर कोई बकाया है, तो उसका भुगतान भी अनिवार्य रूप से करना होगा। नेशनल लोक अदालत में भाग लेने वाले पक्षकारों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे वितरित किए जाएंगे ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके। माननीय न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे नेशनल लोक अदालत में आकर अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण करवाएं और इस अवसर का लाभ उठाएं।

नगर पालिका बैतूल में लोक अदालत आज

बैतूल। नगर पालिका परिषद बैतूल में नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार 14 सितंबर को सुबह 11 से शाम 4 बजे तक किया गया है। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बैतूल ओमपाल सिंह भदौरिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि नेशनल लोक अदालत में नगरपालिका क्षेत्र के संपत्तिकर, समेकितकर, शिक्षा उपकर, विकास उपकर एवं जलकर के बकायादार अपने बकाया टैक्स का समायोजन कर जमा कर सकते हैं। समस्त कर समय पर जमा किए जाने पर नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी।

राजेश शर्मा बने जन परिषद के धार चैप्टर के अध्यक्ष

धार। अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व मध्यप्रदेश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद के उज्जैन चैप्टर के सम्भागीय अध्यक्ष श्री जितेन्द्र पुरोहित की अनुशंसा पर समाजसेवक ,पत्रकार राजेश शर्मा को, जन परिषद के धार चैप्टर का अध्यक्ष मनोनीत किया है। ज्ञात रहे जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर 10 अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। संस्था के इस समय पूरे देश में 226 एवं विदेशों में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं।संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है ।

राजेश शर्मा के जन परिषद के धार चैप्टर अध्यक्ष बनने पर अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के राष्ट्रीय सचिव अजय चौधरी, धार जिला ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ. अशोक शास्त्री, समाजसेवी अशोक व्यास, पंडित अजय जोशी, सर्व ब्राह्मण समाज के जिला कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी, समाजसेवी डॉ. तरूण जोशी, बावीसा ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष पंडित गोटू शक्ला , समाजसेवी देवेंद्र जैन, डॉ. श्रीकांत द्विवेदी ,सलिल यादव, कमल बोरीवाल, मनीष महाजन, नवीन गर्ग, निलेश जोशी, वरिष्ठ पत्रकार देवराज सिंह सिकरवार, सुनील दौराया, रोटरी क्लब के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर अरूण वर्मा, धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी सहित धार शहर और जिले भर से विभिन्न सामाजिक, संगठन, खेल संगठन पत्रकार जगत ने राजेश शर्मा को बधाई दी है।

इनोवेटिव स्कूल में मनाया गया म.प्र. मानवाधिकार आयोग का 30वां स्थापना दिवस

देवास। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी और आई.जी मानव अधिकार आयोग अशोक गोयल (भा.पु.से) के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग का 30 वां स्थापना दिवस समारोह इनोवेटिव स्कूल में मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में के. पी. कॉलेज देवास की प्राध्यापक डॉ सीमा सोनी और विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पुरुस्कार प्राप्त शिक्षक रामेश्वर पटेल सर उपस्थित रहे। डॉ सीमा सोनी ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि

सर्वप्रथम आपको आपने कर्तव्यों का अनुसरण करना पड़ेगा जिससे की आप मानव अधिकारों को समझ पाएंगे, उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से तो मनुष्य के प्रमुख तीन अधिकार रोटी, कपड़ा और मकान हैं। साथ ही उन्होंने बच्चों को कहा की आप डॉक्टर बने, इंजीनियर बने, अधिकारी बने उससे पहले एक अच्छा इंसान बने। श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में बच्चों से कहा कि आपको इस बात का विशेष ध्यान रखना है, कि अपने अधिकारों के चक्कर में किसी दूसरे के अधिकारों का हनन ना हो। संस्था के प्राचार्य सय्यद मकसूद अली ने बताया की इस स्थापना दिवस के अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में मानवाधिकारों की रक्षा की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर संजय देवल, मिर्जा मुशब्बिर बैग, वर्षा शिंदे, शेहनीला कुरैशी सहित कक्षा छटी से ग्यारवीं तक के विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सय्यद मकसूद अली ने किया एवं आभार सय्यद सदाकत अली ने माना।

जिले में किलकारी से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में होगा सुधार

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में स्वास्थ्य कार्यकर्ता को किलकारी एवं मोबाइल अकादमी कार्यक्रम के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण सीएमएचओ डॉ. आशीष प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सरस होटल नरसिंहपुर में अरमान संस्था भोपाल के सहयोग से दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राजकिशोर पटेल, सिविल सर्जन डॉ. जीसी चौरसिया, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी साईखेड़ा, डीपीएम, डीसीएम मौजूद थे। प्रशिक्षण में अरमान संस्था किलकारी की जबलपुर संभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री आदेश कौरव ने बताया कि भारत सरकार ने गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चों के लिए किलकारी कार्यक्रम की शुरुआत की है। आशाओं की क्षमता और संवाद कौशल को बढ़ाने के लिए मोबाइल अकादमी की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से लक्षित लाभार्थियों के साथ और अधिक प्रभावी ढंग से संवाद हो सकेगा और गर्भावस्था के दौरान देखभाल करने के भी तरीके सीख सकेंगे। राज्य कार्यक्रम प्रबंधक मोबाइल अकादमी डॉ. दिग्विजय सिंह ने कहा कि किलकारी कार्यक्रम के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार हम सबको अवश्य दिखाई देगा। इस कार्यक्रम के द्वारा गर्भवती माता को दूसरी तिमाही से लेकर बच्चों के जन्म से 1 वर्ष के होने तक उसकी देखभाल व स्वास्थ्य से संबंधित ऑडियो संदेश दिये गये हैं, जो मोबाइल के माध्यम से गर्भवती माता को प्राप्त होंगे।

आए दिन लगता है पलकमती नदी पुल राज्य मार्ग 22 पर जाम, शोभापुर, सेमरीहरचंद माखननगर भी अछूते नहीं

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय सोहागपुर में पलकमती नदी पुल राज्य मार्ग 22 पर लगता है लगभग प्रतिदिन जाम। इसके समीपवर्ती ग्राम शोभापुर का भटगांव चौराहा, सेमरी हरचंद,माखननगर भी इस नित्य जाम से अछूते नहीं हैं। सोहागपुर विधानसभा निर्मित होने के बीस साल बाद भी प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि इस मामले में संजीदा दिखाई नहीं देते हैं।प्रचार तो होता है कि सोहागपुर विधानसभा में विकास की गंगा बह रही है। लेकिन यदि हम सड़क की ही बात करें तो तवा नदी पुल में गड्ढे में सड़क या सड़क में गड्ढे। गड्ढे कितने हैं गिनना ही मुश्किल काम है। लेकिन राजनैतिक दृष्टि से देखा जाए तो खूब कोसा गया था। प्रदेश में कांग्रेसी मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सरकार को।

लेकिन तवा पुल मरम्मत एवं नर्मदापुरम पिपरिया राज्य मार्ग 22 मरम्मत के मामले में सफेद हांथी कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही हाल नर्मदापुरम से पिपरिया तक की राज्य मार्ग 22 का है। पहले हम बात करते हैं समीपवर्ती ग्राम शोभापुर का इस ग्राम की अधिकांश दुकानें सड़क के दोनों तरफ हैं। इसके मध्य से ग्राम भटगांव जाने का रास्ता है। यही सबसे बड़ी गलफत है। एक तरफ भटगांव जाने वाले,दूसरी तरफ पिपरिया जाने वाले, तीसरी तरफ सोहागपुर नर्मदापुरम जाने का रास्ता।जब कोई वाहन भटगांव तरफ जाता है या भटगांव तरफ से आता है तब

लगभग-लगभग प्रतिदिन घंटों यातायात प्रभावित होता है। लेकिन बड़े मजे की बात तो यह है कि जब पिपरिया, पचमढ़ी की तरफ वीआईपी,या प्रशासनिक अधिकारियों को जाना होता है। तब यातायात प्रभावित न हो इसके लिए पुलिस की डिप्यूटी लाजमी है। और होती भी है।इससे जनता-जनार्दन के कर्णधारों को ज्ञात ही नहीं हो पाता कि यहां प्रतिदिन जाम से नागरिकों को दो दो हाथ आने जाने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। दो पहिया को बात तो छोड़िए सरकार पैदल-पैदल वाले भी परेशानी का सामना करते हैं। उल्लेखनीय है यदि विभाग अपना थोड़ा भी दिमाग लगाता तो उक्त भटगांव के रास्ते को मुख्य बाजार को छोड़कर कहीं आगे से बनाकर समस्या का निदान कर सकते थे।

अब बात की जाए सोहागपुर नगर के जाम की तो इस नगर के मध्य से राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया जाता है। जिसमें दोनों तरफ दुकानें बनी हुई हैं। पलकमती नदी पुल से करीबन नगर 15 वार्डवासियों आधे इस तरफ तो आधे दूसरी तरफ बसे हुए हैं। एक तरफ बैंक, रेलवे स्टेशन, स्कूल, न्यायालय,तो दूसरी तरफ बाजार, किराना ,मनहारी कपड़ों आदि की दुकानों के अलावा सब्जी बाजार भी इस तरफ है। वर्तमान में बड़े बड़े वाहनों का आगमन होता रहता है। जब पलकमती नदी की तरफ ये वाहन आते जाते हैं।तो विषम परिस्थिति निर्मित हो जाती है। यदि गुरूवार का दिन हो तो घंटा,आधा घंटा नागरिक चाहे दो पहिया वाहन वाले हों या पैदल-पैदल सब्जी खरीदने वाले महिला, पुरूष परेशानी का सामना करते हैं। इधर ग्राम सेमरी हरचंद भी राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया के दोनों तरफ दुकानें बनी हुई हैं। यातायात यहां भी प्रभावित होता है।माखन नगर भी राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया के दोनों तरफ दुकानें बनी हुई हैं। इसके अलावा माखननगर में ग्राम नादनेर जाने वाले रास्ते पर भी जाम की स्थिति बनती रहती है। ग्राम शोभापुर, सोहागपुर, सेमरी हरचंद एवं माखन नगर की विषम परिस्थितियों को लेकर प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को बाईं पास बनवाने के लिए मनन करना होगा। इसके पूर्व भी खूब वाहवाही बटोरी थी। कि फोरलेन सड़क स्वीकृत कराई गई है। तो अब तक धरातल पर क्यों नहीं उतरी है !यह बड़ा सवाल है। तदो चित्र एक ग्राम शोभापुर एवं एक चित्र सोहागपुर के जाम का।

109 वर्ष पुरानी संस्था श्री शिव छत्रपति गणेश मंडल के दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ

देवास। अपने चिर परिचित स्थान मल्हार स्मृति मंदिर में 109 वर्ष पुरानी संस्था श्री शिव छत्रपति गणेश मंडल के दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ योगेश रनमाले की संगीत सरिता रूपी गायन से हुआ। इसी श्रृंखला में आज 14 सितम्बर को ओडिसी नृत्य गुरू डॉ. गजेन्द्र पांडा एवं उनकी सुयोग्य शिष्या आर्या नंदी भुवनेश्वर द्वारा ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

डॉ. गजेंद्र कुमार पांडा ओडिसी नृत्य के क्षेत्र में एक अनुभवी गुरु और प्रतिपादक हैं, जिन्होंने अपना जीवन ओडिसी नृत्य शैली के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया है। उन्होंने गुरु देबप्रसाद दास की शैली को और अधिक सुंदर व प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिन्होंने सदियों पुराने ओडिसी नृत्य को पुनर्जीवित किया है। डॉ पांडा का जन्म 1966 में ओडिशा के गंजम जिले में हुआ था। नौ साल की उम्र में सखी नट के अखाड़े (अभ्यास गृह) से आरंभिक शुरुआत से लेकर गुरु रघुनाथ पुरोहित, गुरु भुवनेश्वर मिश्रा, गुरु प्रभाकर श्रीचंदन के कुशल मार्गदर्शन में जात्रा, नाटक और रंगमंच में उनकी भागीदारी रही और अंततः उन्होंने गुरु देबप्रसाद दास के संरक्षण में अपनी प्रतिभा और कलात्मक आकांक्षाओं को विकसित किया और विभिन्न नृत्य और संगीत संस्थानों का नेतृत्व किया। उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार उन्होंने एबीजीएमव्ही मंडल मुंबई से नृत्य विशारद और नृत्य अलंकार जैसी डिग्री प्राप्त की। अब वे गुरु देबप्रसाद दास से प्रेरित त्रिधारा को सम्भाल रहे हैं और कुशल कोरियोग्राफी, प्रदर्शन और शिक्षण संस्थान चलाते हैं। डॉ. पांडा को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा वरिष्ठ फैलोशिप और हिन्दुस्तान आर्ट और म्युजिक सोसायटी द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। डॉ. पांडा का प्रदर्शन और कोरियोग्राफी दुनिया भर में प्रशंसित है, और उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के साथ काम किया है। उनकी अनूठी शैली शब्द स्वर पट्ठा तकनीक पर आधारित है, और वे पारंपरिक नृत्य शिक्षण के लिए आदान प्रदान संचार पर जोर देते हैं। डॉ. पांडा का कला के क्षेत्र में योगदान अद्वितीय है, और उन्हें ओडिसी नृत्य के ध्वजवाहक के रूप में जाना जाता है। उनकी यात्रा को इस वर्ष स्वर्ण समारोह में मनाया जा रहा है। डॉ. पांडा अमेरिका, जापान, दुबई, बहरीन आदि 20 से अधिक देशों में ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति दे चुके है। देश के तमाम विख्यात संगीत समारोह में आप प्रस्तुतियां दे चुके हैं।

ओडीसी नृत्य के क्षेत्र में आर्या नंदी एक उत्कृष्ट नृत्यांगना के रूप में उभरता हुआ नाम है। गुरु गजेंद्र पांडाजी के गहन और कल्पनाशील संरक्षण में, वह दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की शक्ति रखने के लिए प्रशिक्षित एक प्रतिबद्ध ओडिसी नर्तकी बन गई है। आर्या को जो चीज अलग करती है, वह है उनकी सहज समझ, शिष्टता, सटीकता। सुश्री आर्या की नृत्य प्रतिभा उनके बचपन से ही दृष्टिगोचर होने लगी थी। आर्या का पहला एकल प्रदर्शन वर्ष 2010 में रायगढ़ के विश्वप्रसिद्ध चक्रधारा समारोह में था। उनके पिता रविंद्र नंदी व उनकी पहली नृत्य शिक्षिका मां विनीता नंदी ने उनकी प्रतिभा को और आगे बढ़ाने के लिए गुरु श्री पांडा जी के संरक्षण में रखा जिनके कुशल मार्गदर्शन में ओडिसी नृत्य शैली में वे एक उभरता हुआ सितारा बनी हैं। पिछले 6 वर्षों के भीतर आर्या ने भारत और विदेश में कई प्रतिष्ठित महोत्सवों में प्रदर्शन किया है और छत्तीसगढ़ और ओडिशा के महामहिम राज्यपाल, मलेशिया के स्वास्थ्य मंत्री, ओडिशा के सांस्कृतिक मंत्री से सम्मान प्राप्त किया है। उन्होंने पुष्कर समारोह में कई बड़ी हस्तियों के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है व सम्मान प्राप्त किया है। नृत्य के रूप में वे अपनी ईश्वर आराधना को साकार करती हैं।

खरीफ उपार्जन धान एवं मोटे अनाज के लिए पंजीयन 19 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024- 25 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटे अनाज (ज्वार एवं बाजरा) उपार्जन के लिए किसान पंजीयन का कार्य 19 सितम्बर से 4 अक्टूबर 2024 तक किया जायेगा। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने खरीफ विपणन वर्ष 2024- 25 के लिए जिले में उत्पादित फसल धान एवं मोटे अनाज (ज्वार एवं बाजरा) उपार्जन के पंजीयन के कार्य पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। ये पंजीयन केन्द्र उपायुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नरसिंहपुर एवं उप संचालक कृषि की अनुशंसा के आधार पर पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया है। धान एवं मोटे अनाज (ज्वार एवं बाजरा) के उपार्जन के लिए तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था नरसिंहपुर, लोकीपार, डांगीढाना, सेवा सहकारी संस्था सिंहपुर, धमना, मुंगवानी (पठापिपरिया), सेवा सहकारी समिति बचई (करहैया) व प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित नयागांव के समिति परिसर, तहसील करेली के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली, सेवा सहकारी संस्था करताज, सुआतला, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करेली, आमगांवबड़ा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था कोदसा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित रामपिपरिया, केरपानी (सरसला), मुर्गाखेड़ा के समिति परिसर, तहसील गाडरवारा के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित खुलरी, गाडरवारा, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा, करपगांव, बसुरिया, सेवा सहकारी संस्था महगवांखुर्द, चीचली, सीरेगांव, बावईकला, पचामा, कौडिया, सेवा सहकारी समिति खेरूआ, सहावन, सेवा सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर, सूरना, चीचली- डुगरिया, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बोहानी, चिर्रिया, इमझिरी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था गोटीटोरिया के समिति परिसर, तहसील गोटेगांव के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था वेदू, सूरवारी, सिमरिया, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित इमलिया (कामती), बरहेटा, मेख, सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिमरीबडी, उमरिया के समिति परिसर, तहसील तेंदूखेड़ा के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था तेंदूखेड़ा, डोभी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलगुवा, बिलहेरा के समिति परिसर और तहसील सांईखेड़ा के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था खुर्सीपार, आड़ेगांव, रमपुरा, तूमड़ा, सासबहू, बनवारी के समिति परिसर में किसान का पंजीयन कार्य किया जायेगा। उक्त संस्थाएं निर्धारित स्थल पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप किसान पंजीयन का कार्य करेंगी। किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगी। समस्त पैक्स द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों में सहकारिता विभाग के जो अधिकारी प्रशासक के रूप में पदस्थ है, नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। इसके अलावा एमपी ऑनलाईन, कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर- कियोस्क, निजी साइबर केफे भी शासन के निर्देशानुसार आवेदन कर पंजीयन का कार्य विधिवत फेलेक्स तथा निर्धारित पंजीयन शुल्क अधिकतम 50 रुपये की सूचना प्रदर्शित करते हुये, पंजीयन का कार्य कर सकेंगे। इस के लिए जिला प्रबंधक, लोक सेवा केन्द्र शासन के निर्देशानुसार विधिवत कार्य संपन्न करायेंगे।

साक्षरता के महत्व के साथ व्यक्तित्व विकास

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य डॉ.एस.के.दुबे के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर ज्योत्स्ना झारिया, डॉ नरेश कुमार नेमा एवं सह प्रभारी प्रोफेसर प्रीति कौरव के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत गत दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा/छात्र इकाई द्वारा साक्षरता की आवश्यकता एवं महत्व विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. गणेश कुमार सोनी ने साक्षरता के अर्थ एवं साक्षरता के उद्देश्य से विद्यार्थियों को परिचित कराया मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुधा शाक्य ने साक्षरता में लिंगानुपात एवं महिलाओं की शिक्षा पर जोर दियाए रासेयो छात्रा इकाई कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर ज्योत्स्ना झारिया ने साक्षरता की आवश्यकता के साथ.साथ शिक्षा के मूल उद्देश्यों के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के विविध पक्षो पर विचार व्यक्त किएए डॉ नरेश कुमार नेमा ने साक्षरता के महत्व के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी प्रकाश डाला। प्रोफेसर प्रीति कौरव ने साक्षरता के आर्थिक एवं विधिक पक्षो पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन रासेयो की स्वयं सेवक भूमि दुबे एवं आभार प्रदर्शन रासेयो छात्रा इकाई की दलनायिका शिखा वर्मा ने किया। कार्यक्रम में शासकीय सिहोरा कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर रानी कुमारीए सह दलनायिका रासिका चौरसिया, मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता एवं स्वयं सेवकों में सोनम मालाह, संजना मलाह, अंजना यादव, प्रियांशी श्रीवास्तव, रोशनी काछी,सुहानी यादव,शरद साहू, अदिति रघुवंशी, तनीषा चौधरी, रितु ठाकुर, अंशिका लोधी, प्रियांशी लोधी, पारूल चौधरी, प्रिया रजक, निकिता लोधी,पूजा पटेल, तृप्ति सेन,साहिल खान एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता का आयोजन

नरसिंहपुर। विद्यालय के छात्र- छात्राओं में निहित सृजनात्मक को नए आयाम उपलब्ध कराते हुए विद्यार्थियों की अंतर्मुखी प्रतिभा को विकसित किए जाने के दृष्टिकोण से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में विकासखंड स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी उत्कृष्ट विद्यालय श्री जीएस पटेल ने सभी प्रतिभागियों को बाल रंग प्रतियोगिता के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि विद्यार्थियों में निहित कला को बढ़ावा देना और उनके जीवन को और मजबूत व प्रभावी बनाना है। बाल रंग विकासखंड नरसिंहपुर की विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। साहित्यिक प्रतियोगिता में खुशी कौरव व पूर्वा शर्मा ने स्वरचित काव्य पाठ, वंश रजक व शुभम सोनी ने वाद विवाद, मनीषा चौधरी ने निबंध, पीहू सोनी ने पाठ्य पुस्तक आधारित काव्य पाठ, अभिषेक अग्रवाल व वंश रजक ने प्रश्न मंच, कृतिका ने तात्कालिक भाषण और परी गुप्ता ने सुलेख प्रस्तुत किया। इसी तरह सांस्कृतिक प्रतियोगिता में वैदेही सोनी व अमिता लोधी ने सुगम संगीत, प्रिंसेट चौधरी ने वादन, शिवांगी सोनी व शैली नेमा ने शास्त्रीय नृत्य, प्रगति पांडे, प्रिया, अंजली जाह्नवी व शिवा ने सामूहिक लोकगीत श्रेया एवं उनके साथियों ने कनिष्ठ और साक्षी नामदेव व उनके साथियों ने लोकनृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संस्कृत प्रतियोगिता में अस्था पटवा, सुहाना गौरी, दीक्षा व शिवानी ने नृत्य नाटिका, अस्था पटवा व अंजली ने वेद पाठ, दक्ष नेमा ने भाषण व वंशिका कश्यप ने निबंध प्रस्तुत किया। इसी तरह सैफिया ने गजल, अंश, सूफियान, कृष्णा, अदिति, नम्रता, वंशिका, सादफ व अंशिका ने कव्वाली, श्रेया पटवा व उनके साथियों ने कव्वाली (कनिष्ठ), आशिका बानो ने निबंध, रोह प्रजापति, प्रियांश चौपड़ा ने योग का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की। इस अवसर पर वरिष्ठ निर्णायक संगीत शिक्षक श्री केके चौबे, डॉ. अशोक उदेनिया, शिक्षक श्री महेंद्र सिंह लोधी, योग निर्णायक श्री देवेन्द्र ढीमोले, जूडो प्रशिक्षक श्री अशोक नामदेव, शिक्षिका श्रीमती गीता सेन, श्रीमती वर्षा पांडे, शिक्षक श्री नारायण सोनी और विद्यार्थी मौजूद थे।

राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त अमले ने शहर में निकाला फ्लैग मार्च

कलेक्टर एवं एसपी की अगुवाई में निकाला गया फ्लैग मार्च

नरसिंहपुर। ज़िले में आगामी त्यौहारों के मद्देनज़र सांप्रदायिक सौहार्द्र एवं क़ानून व्यवस्था बनाये रखने का संदेश देने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका की मौजूदगी में राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त अमले ने नरसिंहपुर शहर के मुख्य मार्गों से फ्लैग मार्च निकाला। यह फ्लैग मार्च स्टेशन थाने से प्रारंभ होकर केन्द्रीय जेल के सामने से मुशरान पार्क चौराहा, सुनका चौराहा, बाहरी रोड होते हुए अष्टांग चिकित्सालय चौराहा, पुराने बस स्टेंड से होते हुए सुभाष पार्क चौराहा पहुंची। कलेक्टर श्रीमती पटले ने ज़िलेवासियों से अपील की है कि सभी त्यौहार शांति तथा सद्भाव के साथ मनाएं। इस दौरान आपसी सदभाव क़ायम रखने की भी अपील की है।

भोपाल में हेलमेट पहनकर लैपटॉप चोरी

• पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर संदेही को हिरासत में लिया

भोपाल (नप्र) । भोपाल के एमपी नगर स्थित जोन-1 में लैपटॉप शोरूम पर हेलमेट पहनकर चोर पहुंचा। आरोपी ने पुराना लैपटॉप रिपेयर कराने के शोरूम के एक कर्मचारी को दिया। इसी बीच उसने लोगों की नजर से बचकर नया लैपटॉप चोरी कर लिया। आरोपी ने पूरे कॉन्फिडेंस के साथ हेलमेट पहनकर वारदात को अंजाम दिया। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। एक संदेही को हुलिया के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना इसी साल जून महीने की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। पुलिस के मुताबिक यशवंत लिखितकर (45) राय सम्राट होम्स अयोध्या नगर में रहते हैं। एमपी नगर जोन-1 में एमएस इंटरप्राइजेज के नाम से लैपटॉप शोरूम का संचालन करते हैं। 19 जून की शाम को 6 बजे उनके शोरूम में एक युवक दाखिल हुआ। आरोपीने हेलमेट पहना हुआ था। उसने लैपटॉप को रिपेयर कराने की जानकारी ली।

कर्मचारियों की मौजूदगी में की वारदात

इसके बाद में एक स्टूल पर लैपटॉप बैग को रखा। बैग को खोलने के बाद उसने पुराना लैपटॉप निकालने के से पहले ही एक नया लैपटॉप चोरी कर बैग में रख लिया। खास बात यह है कि जब वारदात को अंजाम दिया गया। शोरूम में कई कर्मचारी मौजूद थे।

पुराने लैपटॉप देकर फरार हो गया

इसके बाद उसने अपने पुराने लैपटॉप को एक कर्मचारी को चेक करने के लिए दिया, रिपेयरिंग के नाम पर पुराना लैपटॉप छोड़कर चलता बना। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। दो महीने की पड़ताल के बाद पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

भोपाल में शिक्षक से रिश्वत लेते क्लर्क गिरफ्तार

• ग्रामीण इलाके में ट्रांसफर कराने की धमकी देकर मांग रहा था 80 हजार

भोपाल (नप्र) । भोपाल लोकायुक्त की टीम ने लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के क्लर्क को शुक्रवार की दोपहर को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप किया है। आरोपी एक शासकीय शिक्षक से ग्रामीण इलाके में ट्रांसफर कराने की धमकी देकर 80 हजार रुपए की मांग कर रहा था। फरियादी की के कहने पर वह रिश्वत की रकम को तीन बार में लेने के लिए तैयार हो गया था। इसकी शिकायत फरियादी शिक्षक ने लोकायुक्त में की। शिकायत की तस्दीक के बाद कार्रवाई की गई। लोकायुक्त पुलिस के मुताबिक फरियादी विक्रम सिंह पचवारिया, जनशिक्षक शासकीय हाई स्कूल, परवलिया सड़क भोपाल में पदस्थ हैं। वह ग्राम मुगालिया हाट परवलिया सड़क पर ही रहते हैं। पिछले दिनों उन्होंने लोकायुक्त को लिखित शिकायती आवेदन दिया था। इसमें बताया गया कि आरोपी विश्वराज सिंह बैस उर्फ विक्की बैस (44) सहायक ग्रेड -3 का कर्मचारी है। शिक्षा विभाग (विधि शाखा) लोक शिक्षण संचालनालय गौतम नगर ऑफिस में पदस्थ है। लंबे समय से ट्रांसफर कराने की धमकी देकर 80 हजार रुपए की मांग कर रहा था। शिकायत की तस्दीक की गई। जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर को आरोपी को उसी के कार्यालय से रिश्वत की रकम 25 हजार रुपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

कॉल कर बुलाया था ऑफिस

मामले में लोकायुक्त ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी ने रिश्वत की रकम लेने फरियादी को शुक्रवार की दोपहर को लंच के बाद बुलाया था। इसके मुताबिक फरियादी लोकायुक्त की टीम के साथ रिश्वत की रकम देने पहुंचा। आरोपी द्वारा पैसा लेते ही उसे हिरासत में ले लिया गया।

पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या की, फिर थाने पहुंचा

• भाई बोला- चरित्र पर शक करता था बहनोई; काम भी छुड़वा दिया था

अशोकनगर (नप्र) । अशोक नगर में युवक ने कुल्हाड़ी मारकर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद घर में ताला लगाया और थाने पहुंच गया। पुलिस से कहा- मैंने पत्नी को मार डाला है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ की। पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। मामला शंकर कॉलोनी में शुक्रवार सुबह साढ़े 8 से 9 बजे के बीच का है। वारदात के वक्त दंपती घर में अकेले थे। दोनों बच्चे स्कूल गए थे।पत्नी की हत्या करने की जानकारी खुद आरोपी ने थाने जाकर दी, इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

राज्यपाल ने प्रो. राजीव त्रिपाठी को आर.जी.पी.वी. का कुलपति नियुक्त किया

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति के पद पर प्रो. राजीव त्रिपाठी को नियुक्त किया है। प्रो. त्रिपाठी मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज में इलेक्ट्रॉनिक एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर हैं।

प्रदेश में ई-नगरपालिका का उपयोग अब हुआ आसान

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में ई-नगरपालिका पोर्टल को यूजर फ्रेण्डली और सरल बनाये जाने के लिये नगरीय विकास विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नगरीय विकास आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि अब नवीन सम्पत्ति आईडी बनाये जाने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने निर्देश दिये थे।

प्रक्रिया का सरलीकरण

आवेदक द्वारा सम्पत्ति पंजीयन के लिये समग्र आईडी प्रस्तुत की जायेगी। नवीन सम्पत्ति के लिये पोर्टल आवेदन के समय सम्पत्ति के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज लोड किया जाना अनिवार्य होगा। जहाँ पूर्व से सम्पत्ति पर विद्युत कनेक्शन है, वहाँ आवेदक द्वारा विद्युत कनेक्शन, उपभोक्ता क्रमांक दर्ज किया जाना अनिवार्य होगा। यदि वर्तमान में सम्पत्ति पर कोई विद्युत कनेक्शन नहीं है, तो नहीं का विकल्प चयन कर आवेदन दर्ज किया जा सकेगा। भविष्य में सम्पत्ति पर विद्युत कनेक्शन प्राप्त किये जाने की दशा में वितरण कम्पनी डाटा के साथ इन्टीग्रेशन के माध्यम से ई-नगरपालिका पोर्टल पर दर्ज सम्पत्ति आईडी के विरुद्ध उपभोक्ता क्रमांक की जानकारी अपडेट की जा सकेगी।

जांच अधिकारी मोबाइल एप से करेंगे सत्यापन

दस्तावेजों के ऑनलाइन जमा किये जाने के बाद स्थानीय निकाय कार्यालय द्वारा सम्पत्ति का भौतिक निरीक्षण किया जाना अनिवार्य होगा। भौतिक निरीक्षण किये जाने की प्रक्रिया के अंतर्गत निकाय के जाँच अधिकारी द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से सत्यापन किया जायेगा। इस सत्यापन के लिये संबंधित निकाय सम्पत्ति का लाइव फोटोग्राफ और जियो लोकेशन मोबाइल एप में दर्ज कर सत्यापन किया जाना सुनिश्चित करेंगे। यह कार्यवाही आवेदन प्राप्त होने के 7 दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य होगा। निकाय स्तर पर प्रॉपर्टी आईडी के पंजीयन की प्रक्रिया में अनुमोदन के 2 से अधिक चैनल नहीं होना चाहिये। इसका आशय यह है कि जाँच अधिकारी द्वारा सत्यापन पश्चात प्रकरण पोर्टल के माध्यम से सम्पत्ति पंजीयन के लिये सक्षम अधिकारी के लॉग-इन पर प्रदर्शित होगा और सक्षम अधिकारी को जाँच रिपोर्ट के आधार पर सम्पत्ति पंजीयन आवेदन को स्वीकृत अथवा निरस्त किया जाना आवश्यक होगा। नवीन सम्पत्ति आईडी को आवेदन दिनांक से 30 कार्य दिवस के अंदर सत्यापित कर आईडी बनाये जाने की प्रक्रिया पूर्ण किया जाना अनिवार्य किया गया है।

45 दिवस की अवधि में मिलेगा डिजिटली हस्ताक्षर आदेश

स्वत्वाधिकार के अंतरण उपरांत नाम संशोधन की प्रक्रिया के लिये दिशा-निर्देश दिये गये हैं। आवेदन उपरांत निकाय का जाँच अधिकारी भौतिक सत्यापन की कार्यवाही मोबाइल एप के माध्यम से 7 दिवस में पूर्ण करेगा। इसके अंतर्गत सम्पत्ति के फोटोग्रॉफ और जियो लोकेशन दर्ज की जायेगी। निकाय सम्पत्ति के स्वत्वाधिकार अंतरण उपरांत नाम संशोधन के लिये दावे-आपत्ति की कार्यवाही प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर सम्पादित करेंगे। 45 दिवस की समय-सीमा में आवेदक को आदेश डिजिटली हस्ताक्षरित कर ई-नगरपालिका पोर्टल से जारी किया जाना अनिवार्य होगा।

जबलपुर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में भरा पानी, 15 दिन काम बंद

मुरैना में ट्रैक्टर-ट्रॉली नाले में गिरी, दो लोग बहे; भिंड में तीन गांव खाली कराए

भोपाल (नप्र) । जबलपुर में तीन दिन लगातार बारिश के कारण ऑर्डनेंस फैक्ट्री में पांच फीट तक पानी भर गया है। फैक्ट्री के चार सेक्शन में मशीनें डूब गई हैं। एक सेक्शन में 15 दिन के लिए काम बंद कर दिया है।

इधर, मुरैना के कैलारस में रपटा पार कर रही ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई। इसमें ड्राइवर तैरकर बाहर निकल गया। दो लोग लापता हैं। मुरैना से पहुंची एसडीईआरएफ की टीम रेस्क्यू में जुटी है।

भिंड में सिंध नदी खतरे के निशान से तीन मीटर ऊपर बह रही है। मेहगांव क्षेत्र के तीन गांवों को खाली करा लिया गया है। करीब 500 लोगों को पंचायत भवन और स्कूल में ठहराया गया है। 47 गांवों में अलर्ट जारी किया है। नर्मदापुरम से SDERF की 20 सदस्यीय टीम भी बचाव एवं राहत कार्य के लिए पहुंच गई है। जबलपुर ऑर्डनेंस फैक्ट्री में पानी भरने से मशीनें डूब गईं। एक सेक्शन में 15 दिन काम बंद रहेगा।

मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में 15 सितंबर से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इसका असर 16 सितंबर से प्रदेश में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग की मानें, तो यह सिस्टम भी स्ट्रॉन्ग रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक, मौजूदा सिस्टम उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ गया है। हालांकि, अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर-चंबल और जबलपुर संभाग में इसका असर रहेगा। मौसम विभाग ने आज ग्वालियर-चंबल और जबलपुर संभाग के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

24 घंटे में एमपी के 15 जिलों में बारिश, दमोह में सबसे ज्यादा पानी गिरा

मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान 15 जिलों में बारिश हुई। इनमें दमोह में सबसे ज्यादा सवा इंच पानी गिर गया। ग्वालियर, मलाजखंड और शिवपुरी में आधा इंच से अधिक बारिश हुई। भोपाल, बैतूल, गुना, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, रायसेन, खजुराहो, मंडला, सागर, सतना, टीकमगढ़ समेत कई जिलों में भी बारिश हुई।

गुरुवार तड़के से देर रात तक प्रदेशभर में अलग-अलग हादसों में 17 लोगों ने की जान चली गई। इनमें 3 बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल थीं। दतिया में दो परिवारों के 7 लोगों की मौत के अलावा एक अन्य हादसे में एक और जान गई। इसके अलावा शिवपुरी में 2 बच्चों सहित 4, ग्वालियर में 1 बच्चे सहित 4 और मुरैना में भी एक की मौत हुई। अशोकनगर में पुल पार करते समय दो युवक बह गए। हालांकि, उन्हें बचा लिया गया।

तराजू पर बेटे को बैठाया, नोटों से तौला

10-10 रुपए के नोट की एक हजार से ज्यादा गड्डियां चढ़ाई, मंदिर में कर दीं दान

उज्जैन (नप्र) । उज्जैन में मन्नत पूरी होने पर एक शख्स ने अपने बेटे को नोटों की गड्डियों से तौल दिया। तराजू के एक पलड़े में थैलियों में 10-10 रुपए की एक हजार से ज्यादा गड्डियां रखीं, दूसरे में बेटे को बैठाया। बेटे का वजन 83 किलो है। तौल के बाद कुल 10 लाख 7 हजार रुपए मंदिर के लिए दान कर दिए। मामला जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर बड़नगर में गुरुवार का है। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया।

चार साल पहले मांगी थी मन्नत

बड़नगर के रहने वाले चतुर्भुज जाट पेशे से किसान हैं। उन्होंने चार साल पहले 30 साल के बेटे वीरेंद्र जाट के लिए श्री सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में मन्नत मांगी थी। तय किया था कि मन्नत पूरी होती है, तो बेटे के वजन के बराबर पैसे मंदिर में दान करेंगे। चतुर्भुज ने मन्नत के बारे में तो नहीं बताया, यह जरूर कहा कि मन्नत पूरी हो गई है। तराजू के एक पलड़े में वीरेंद्र और दूसरे पलड़े में नोटों के बंडल रखे गए थे।

दो साल से इकट्ठा कर रहे थे नोट

वीरेंद्र जाट ने कहा, दो साल से भी पहले से रुपए इकट्ठा करना शुरू कर दिया था। इन्हें बैंक में जमा करते जा रहे थे। मन्नत पूरी होते ही अलग-अलग बैंकों से एक्सचेंज में जितने भी 10-10 के नोट मिले, ले लिए। रिश्तेदारों और परिचितों से भी मदद ली। इस तरह करीब 1007 गड्डियां इकट्ठी कीं। इसके अलावा भी गड्डियां बनाकर रखी थीं। सोचा था कि अगर वजन बढ़ जाएगा तो और नोट चढ़ा देंगे।

10 लाख 7 हजार की रकम मंदिर को सौंपी

चतुर्भुज जाट ने गुरुवार को तेजाजी दशमी के दिन बेटे को नोटों की गड्डियों में तौलना तय किया। इसके लिए 10-10 के नोटों की एक हजार से ज्यादा गड्डियां इकट्ठा कीं। मंदिर में बड़ा तराजू भी मंगवाया गया। एक तरफ बेटे वीरेंद्र जाट को बैठाया, दूसरी तरफ थैलियों में नोटों के बंडल रखे गए थे। तराजू में वीरेंद्र के वजन के बराबर करीब एक हजार सात गड्डियां रखी गई थीं। गिनने पर यह राशि 10 लाख 7 हजार निकली। इस रकम को तेजाजी मंदिर के निर्माण कार्य के लिए दान कर दिया गया।

कमला नगर पुलिस ने बदमाश के खिलाफ मामला किया दर्ज

भदभदा मंडी में बीजेपी किसान मोर्चा के अध्यक्ष के साथ की थी गाली-गलोच

भोपाल (नप्र) । कमला नगर पुलिस ने बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष भदभदा मंडी पहुंचे थे जहां बदमाश ने उनके साथ गाली-गलौच कर कहा कि बीजेपी वाले यहां नहीं घुसेंगे। कमलानगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर जेल भेज दिया है। कमलानगर पुलिस के मुताबिक, 40 वर्षीय राजेश सिंह नीलगगन कालोनी मेंडोरी रोड में रहते हैं। राजेश भाजपा में किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष है। भाजपा सदस्यता अभियान के तहत गुरुवार दोपहर तीन बजे राजेश पार्टी के कुछ साथियों के साथ मंडी में सदस्य बनाने पहुंचे थे। जहां उन्हें गुफरान उर्फ बंदर नाम का व्यक्ति मिला। वह बीजेपी को गालियां देते हुए बोला कि यहां बीजेपी वाले नहीं घुसेंगे, यहां से निकल जाओ नहीं तो जान से खत्म कर देंगे। इस पर पुलिस ने आरोपी गुफरान के खिलाफ गाली-गलौच, धमकी का केस दर्ज किया।

मोहन सरकार के 9 महीने पूरे

भाजपा प्रवक्ता बोले- सीएम ने कड़े और बड़े फैसले किए, कमलनाथ 15 महीनों को भी समय की कमी बताते हैं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने 9 महीने का कार्यकाल पूरा किया है। 9 दिसंबर 2023 को सीएम पद की शपथ लेने के बाद डॉ मोहन यादव ने कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले किए हैं। इतने अल्प समय में भी कड़े और बड़े निर्णय लेने वाली सरकार के तौर पर पहचान बनाई है। अगर पूर्ववर्ती कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार को देखें तो कमलनाथ अपने 15 महीने के कार्यकाल को भी समय की कमी बताते रहते हैं। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में इस नौ महीने की सरकार का जितना समय गया उतना ही समय कमलनाथ सरकार के वक्त चुनावी आचार संहिता में बीता था। लेकिन, कमलनाथ के 15 महीने के अव्यवस्था के दौर वाले कार्यकाल की तुलना में डॉ मोहन यादव की सरकार के कार्यकाल को देखें तो सुव्यस्थित सरकार चल रही है। ये बात भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ हितेश वाजपेई ने मोहन यादव की

सरकार के 9 महीने पूरे होने पर कही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा- डॉ. मोहन यादव ने अपने 9 महीने के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में जिस प्रकार से शासन और प्रशासन का संचालन किया है, वह उनके कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है। इतने कम समय में उन्होंने राज्य में विकास, सुशासन, और पारदर्शिता की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिसने जनता का विश्वास और समर्थन जीता है।

प्रशासनिक कुशलता और निर्णायक नेतृत्व: हितेश वाजपेई ने कहा- डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल में कई बड़े निर्णय लिए, जिनमें प्रशासनिक सुधार से लेकर जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन शामिल है। उन्होंने राज्य में विकास की गति को तेज किया और यह सुनिश्चित किया कि हर वर्ग को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। उनके नेतृत्व में प्रशासन ने तेजी से कार्य किया, जिससे जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही और भरोसा और मजबूत हुआ।

विकास की नई दिशा

हितेश वाजपेई डॉ. यादव के मुख्य मंत्रित्व में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की नई लहर आई। शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए गए सुधारों ने राज्य को एक नई दिशा दी है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच विकास की खाई को कम करने के उनके प्रयासों ने राज्य में संतुलित विकास को बढ़ावा दिया है।

समाज के सभी वर्गों के प्रति संवेदनशीलता: डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल में यह सुनिश्चित किया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और व्यापारी सभी के लिए उन्होंने ऐसी नीतियाँ बनाई जो उनके जीवन स्तर को सुधारने में मददगार साबित हुईं। उनके संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण ने उन्हें एक जनप्रिय नेता के रूप में स्थापित किया है।

सुरक्षा और कानून व्यवस्था: डॉ. यादव ने अपने कार्यकाल में कानून और व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। राज्य में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और प्रशासनिक तंत्र को मजबूत किया गया, जिससे अपराध दर में गिरावट आई और राज्य की जनता ने खुद को सुरक्षित महसूस किया। दूसरी तरफ उन्होंने प्रशासन को भी जवाबदेह बनाया!